भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

श्री सिटी चित्तूर

वार्षिक प्रतिवेदन 2024-25

(1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक)

विषय-सूची

मद	विवरण	पृष्ठ सं.
1	निदेशक का प्रतिवेदन	1
2	संस्थान के रूप में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान श्री सिटी	3
2.1	संस्थान का परिचय	3
2.2	दृष्टि, लक्ष्य और उद्देश्य	4
	2.2.1 दृष्टि	4
	2.2.2 लक्ष्य	4
	2.2.3 उद्देश्य	4
2.3	प्रबंधन	6
	2.3.1 प्रबंधन मंडल (बीओजी)	6
	2.3.2 वित्त समिति	17
	2.3.3 भवन एवं निर्माण समिति	17
	2.3.4 शासी सभा (सेनेट)	18
2.4	परिसर और स्थान	20
2.5	अवसंरचना	21
3	प्रवेश	36
3.1	स्नातक प्रवेश नीति	36
3.2	पीएचडी प्रवेश नीति	37
4	शैक्षिक पाठ्यक्रम	38
4.1	स्नातक पाठ्यक्रम	38
4.2	पीएचडी	45
4.3	अकादमिक निष्पादन	47
4.4	शैक्षणिक उपलब्धियाँ	50
4.5	दीक्षांत समारोह	51
5.	प्लेसमेंट और इंटर्नशिप (समर इंटर्नशिप और सेमेस्टर लंबे प्रोजेक्ट्स)	51
5.1	ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप	51
5.2	सेमेस्टर भर की परियोजना	52
5.3	कैंपस प्लेसमेंट	53

6	छात्र विकास गतिविधियाँ (एसडीसी)	55
7	शिक्षण व गैर-शिक्षण कर्मचारी (मानव संसाधन)	65
7.1	संकाय	65
7.2	प्राध्यापक	66
7.3	विजिटिंग फैकल्टी	66
7.4	कर्मचारी	67
7.5	परामर्शदाता	68
8	अनुसंधान और विकास	69
8.1	अनुसंधान प्रकाशन	69
8.2	सम्मेलन कार्यवाहियाँ/प्रस्तुतियाँ	71
8.3	चालू प्रायोजित परियोजनाएँ	75
8.4	पेटेंट फाइलिंग	76
9	नवाचार और उदयमिता विकास	76

1. निदेशक का प्रतिवेदन

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान श्री सिटी – परिचय

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान श्री सिटी की स्थापना वर्ष 2013 में की गई। आज यह संस्थान कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा विज्ञान(AI&DS), कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी(CSE) और इलेक्ट्रॉनिक्स व संचार इंजीनियरिंग(ECE) में गुणतापूर्ण शिक्षा और अनुसंधान का अवसर प्रदान करने वाले संस्थान के रूप में विकसित और विख्यात है। इस संस्थान में स्नातकोत्तर और पीएचडी उपाधि के पाठ्यक्रम में चलाए जाते हैं।

यह संस्थान श्री सिटी में स्थित है। श्री सिटी में 240 से भी अधिक अंतरराष्ट्रीय और देशी उद्यम हैं। अत: आई.आई.आई.टी. श्री सिटी को एक अनुपम औद्योगिक इकोसिस्टम के माहौल का लाभ अपने आप मिल जाता है। अपने उद्योग-साझेदार यानी इंडस्ट्री पार्टनर श्री सिटी फाउण्डेशन के माध्यम से इस संस्थान का अनेक उद्योगों और उद्यमों से गहन और घनिष्ठ संबंध है, जो छात्र-छात्राओं को इनसे मिलकर विभिन्न ज्ञान और अनुभवों को प्राप्त करने और अपनी कुशलता का प्रदर्शन करने का सुअवसर प्रदान करता है।

संस्थान का विकास : इस संस्थान की शुरुआत वर्ष 2013 में किराए के एक परिसर में की गई थी और उस समय संस्थान में कुल 53 छात्र थे। वर्ष 2018 से भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान श्री सिटी निजी परिसर में अपना कार्य करने लगा। यह संस्थान वर्ष में लगभग 435 छात्रों को प्रवेश देता है और फिलहाल यहाँ लगभग 1500 छात्र हैं। छात्रों को प्रवेश जीईई मेन परीक्षा के माध्यम से तथा भारत सरकार के नियमों का पालन करते हुए दिया जाता है। संस्थान में छात्रों को प्रवेश 'DASA' और 'भारत में पढ़ाई कार्यक्रम' के अंतर्गत भी दिया जाता है। छात्रों में से लगभग 40% आंध्र प्रदेश राज्य से इतर राज्य के हैं, अत: यहाँ पर हम विविध शैक्षणिक बोर्डों के छात्रों को हम एकसाथ देख सकते हैं।

संकाय : आई.आई.आई.टी. श्री सिटी में संकायों का एक अच्छा समूह है। देश और विदेश के प्रतिष्ठित विश्वविद्योलों से डिग्री प्राप्त संकाय यहाँ पर सेवारत हैं और उन्हें उद्योग और अनुसंधान का विपुल अनुभव भी है। यह संस्थान, विशिष्ट और अंत:विषयक पाठ्यक्रमों में खासकर संप्रेषण कौशल, नवाचार, उद्यमिता और स्टार्ट-अप में छात्र उन्नत ज्ञान और अनुभव हासिल करने की दृष्टि

से प्रतिष्ठित संस्थानों और उद्योगों से विजिटिंग फैकल्टी को समय-समय पर बुलाता है। इससे छात्रों की उद्योग को शुरू करने या उद्योग में काम करने की क्षमता भी बढ़ती है।

अवसंरचना का विकास: भविष्य में छात्रों की संख्या 2,000 तक होने की संभावना को देखते हुए वर्ष 2024-25 में अवसंरचना में सुधार और वृद्धि करने का कार्य शुरू किया गया है, जिसमें नए शैक्षिक भवन और बहुमंजिलीय छात्रावास का निर्माण भी शामिल है। वर्तमान छात्रावासों में मरम्मत और रखरखाव के कार्य पूरे किए गए। बीच3 और बीच4 के पास खेलकूद हेतु नए मैदानों का निर्माण किया गया। संस्थान के परिसर में वर्षा जल के संग्रह की व्यवस्था, हरियोली हेतु वृक्षारोपण व बागवानी, अतिरिक्त लिफ्टों की व्यवस्था, मुख्य प्रवेश द्वार को सजाना, चारदीवारी का रखरखाव, आदि कार्य भी इस वर्ष के दौरान पूरे किए गए।

शैक्षिक उपलब्धियाँ: शैक्षणिक वर्ष 2024-25, संस्थान के लिए अनेक शैक्षिक उपलब्धियों की उतकृष्टता का वर्ष रहा है। गणित और डेटा विज्ञान(MDS) विभाग शुरू किया गया, जिससे अंत:विषयी ए.आई. व डी.एस. पाठ्यक्रम और मजबूत हुआ। सीड (SEED) योजना के अंतर्गत गैर-तकनीकी पाठ्यक्रमों को संशोधित किया गया। संस्थान ने यू.जी. आनर्स के विद्यार्थियों के लाभार्थ सम्मेलन पंजीकरण और यात्रा में सहयाग करना भी शुरू किया। वर्ष 2022 से लंबित रहे सारे दीक्षांत समारोह सफलतापूर्वक आयोजित कर दिए गए।

अनुसंधान और विकास : आई.आई.आई.टी. श्री सिटी अपने अभिकल्प व नवाचार केंद्र, स्मार्ट सिटी केंद्र तथा बाहर की निधियों से चलने वाली परियोजनाओं के माध्यम से अनसंधान के क्षेत्र में नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक:

- 14 जर्नल पेपर प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए, जिनमें IEEE ट्रांजैक्शन, न्यूरल नेटवर्क, न्यूरोकंप्यूटिंग और जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन आदि शामिल हैं।
- राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर पर 27 कॉन्फ्रेंस पेपर पेश किए गए।

- 3 पेटेंट फाइल किए गए।
- 19 प्रयोजित परियोजनाएँ पूरी कर दी गई हैं और 12 परियोजनाएँ प्रगति पर हैं।
- फंडिंग एजेंसियों में डीएसटी, इस्रो, डीआरडीओ, नेवल रिसर्च बोर्ड, UKIERI, ब्रिटिश काउंसिल, IEEE और NM-ICPS शामिल हैं।

- इस साल के दौरान 40 नई परियोजनाओं के प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए।

स्मार्ट विलेज और स्मार्ट सिटी टेक्नोलॉजी पर अनुसंधान करने की बात पर जोर दिया जा रहा है, जिसमें अर्बन डेटा एनालिटिक्स, ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम, कम्प्यूटेशनल सोशल साइंस और सिटी सेफ्टी सॉल्यूशन भी शामिल हैं।

छात्रों की गतिविधियाँ

संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में अठारह तकनीकी और सांस्कृतिक क्लब सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान आयोजित 'उत्कृष्ट 2024' और 'अभिसर्ग 2025' जैसे कार्यक्रमों में छात्रों ने अत्यंत उत्साह से भाग लिया। उल्लेखनीय बात यह है कि संस्थान ने 'अंतरराष्ट्रीय हेल्थ केयर हैकाथॉन' की मेजबानी की, जिसमें राष्ट्रीय स्तर की अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन भी शामिल है। इन कार्यक्रमों ने इनोवेशन इकोसिस्टम को और सुदृढ़ किया।

आभार

यह संस्थान शिक्षा मंत्रालय/भारत सरकार, आंध्र प्रदेश सरकार तथा उद्योग पार्टनरों को उनके सतत समर्थन और सहयोग के लिए अपना आभार व्यक्त करता है। यह संस्थान बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, सेनट और भवन व निर्माण समिति के सदस्यों को भी उनके मार्गदर्शन के लिए तथा सभी छात्रों, संकायों और कर्मचारियों को भी उनके निष्ठापूर्ण योगदान के लिए अपना आभार प्रकट करता है।

प्रोफ. एम.वी. कार्तिकायण
निर्देशक (अतिरिक्त प्रभार)
आई.आई.आई.टी. श्री सिटी

2. संस्थान के रूप में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान श्री सिटी

2.1 संस्थान का परिचय

आई.आई.आई.टी. श्री सिटी के नाम से जाना जाने वाले भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना वर्ष 2013 में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संसद के अधिनियम से राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में की गई थी। इसकी स्थापना का प्रमुख उद्देश्य सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई-नई बातों का विकास करना, सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग के लिए वैश्विक मानकों के अनुरूप मानव संसाधन उपलब्ध कराना और आई.टी. संस्थानों से संबंधित

अन्य मामलों तथा कार्यों का प्रबंधन करना था। भारत सरकार, आंध्र प्रदेश सरकार और श्रीसिटी फाउंडेशन इस संस्थान के साझेदार हैं। वर्ष 2013 में भारत सरकार, आंध्र प्रदेश सरकार और श्रीसिटी फाउंडेशन की क्रमश: 50%, 35% और 15% की साझेदारी में इस संस्थान की स्थापना की गई थी।

वर्ष 2011 में, भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने सार्वजनिक-निजी साझेदारी (PPP) मॉडल के तहत 20 नए भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (IIIT) स्थापित करने की योजना की घोषणा की थी। इस योजना का प्रमुख लक्ष्य ऐसे स्वायत्त, गैर-लाभकारी, आत्मनिर्भर, शोध-आधारित शिक्षण संस्थानों की स्थापना करना था जो प्रतिस्पर्धापूर्ण इस वैश्विक माहौल में भारतीय अर्थव्यवस्था और उद्योग के प्रमुख क्षेत्रों के विकास में योगदान दे सके। इन संस्थानों से चुनिंदे क्षेत्रों में अनुप्रयुक्त अनुसंधान करने और अनुप्रयुक्त सूचना प्रौद्योगिकी में शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने की अपेक्षा की जाती है। 2 सितंबर, 2013 को सोसायटी रजिस्ट्रार के पास आई.आई.आई.टी. श्री सिटी चित्तूर को सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत एक सोसायटी के रूप में पंजीकृत किया गया था। इसके बाद, संसद के एक अधिनियम द्वारा इसे राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में घोषित किया गया। (कृपया दिनांक 09.08.2017 का भारत का राजपत्र देखें।)

2.2 दृष्टि, लक्ष्य और उद्देश्य

2.2.1. दृष्टि

वैश्विक प्रतिस्पर्धा का सामना करने की दृष्टि से भारतीय अर्थ-व्यवस्था और उद्योग के प्रमुख क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले स्वावलंब और अनुसंधान-आधारित शिक्षा संस्थान बनना।

2.2.2 लक्ष्य

राष्ट्रीय स्तर पर सुसंगत व प्रासंगिक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त उद्यमशील संस्थान के रूप में अपनी छवि को निखारना।

2.2.3 उद्देश्य

- सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योगों के लिए वैश्विक मानकों के अनुरूप छात्रों और अनुसंधाताओं को तैयार करना।

- नवाचार, उद्यमिता और अंतःउद्यमिता को बढ़ावा देने वाले अनुसंधान करना।

- स्थानीय समुदायों से जुड़ना और उनकी समस्याओं के निवारण के लिए प्रौद्योगिकी-आधारित समाधान निकालना।

- छात्रों के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करना ताकि वे वैश्विक नागरिक बन सकें।

2.3 प्रबंधन

2.3.1 प्रबंधन मंडल (बी.ओ.जी.)

डॉ. श्रीधर वेम्बु
अध्यक्ष (अतिरिक्त प्रभार)
आई.आई.आइ्र.टी. श्री सिटी, चित्तूर
25 सितंबर 2024 से
अध्यक्ष, प्रबंधन मंडल, आई.आई.आई.टी.डी.एम. कांचीपुरम
संस्थापक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
जोहो कार्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड

डॉ. श्रीधर वेम्बू, ज़ोहो कॉर्पोरेशन के सह-संस्थापक और मुख्य वैज्ञानिक हैं। आप विश्व के शीर्ष प्रौद्योगिकीविदों में एक हैं। अपनी प्रौद्योगिकी और नवाचार से ग्रामों का विकास करने वालों में आप अग्रणी हैं। भारत में तमिलनाडु के एक साधारण गाँव के विद्यालय में डॉ. वेम्बू ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पायी। उन्होंने आई.आई.टी. मद्रास से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल की और प्रिंसटन विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। 1996 में उन्होंने अडवेंटनेट की सह-स्थापना की, जो 2009 में ज़ोहो कॉर्पोरेशन के रूप में परिणत हुआ। उनके दूरदर्शी नेतृत्व में, ज़ोहो क्लाउड-आधारित व्यावसायिक सॉफ़्टवेयर का एक वैश्विक प्रदाता बनकर उभरा और दुनिया भर में लाखों उपयोगकर्ताओं और व्यवसायों को सशक्त बनाया। कंपनी आत्मनिर्भरता, दीर्घकालिक सोच और ग्राहक-केंद्रित नवाचार के मजबूत सिद्धांत से काम करती है।

डॉ. वेम्बू के मिशन का महत्वपूर्ण पहलू सामाज के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता है। उन्होंने अवसरों का विकेंद्रीकरण करने तथा तकनीकी नवाचार को छोटे-छोटे गाँवों तक पहुँचाने के उद्देश्य से तमिलनाडु के तेनकाशी जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में भी आई.टी. कार्यालयों की स्थापना की। वे अपने 'ज़ोहो स्कूल्स ऑफ़ लर्निंग' के माध्यम से हाई स्कूल तक पढ़ने वाले युवकों को भी, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले युवकों को, निःशुल्क व्यावसायिक शिक्षा का अवसर प्रदान करते हैं और महाविद्यालयों की औपचारिक डिग्री की अपेक्षा किए बिना उनके लिए प्रशिक्षण का इंतज़ाम करके नौकरी का अवसर देते हैं। व्यवसाय के प्रति के डॉ. वेम्बू के दृष्टिकोण में तकनीकी उत्कृष्टता के साथ-साथ गहन सामाजिक उत्तरदायित्व भी जुड़ा हुआ है। उनकी इस सेवा के कारण वे कई पुरस्कारों से सम्मानित हैं, जिनमें 2021 में मिले 'पद्म श्री' और 2022 में प्राप्त 'सीएनएन-न्यूज़18 इंडियन ऑफ़ द ईयर' भी शामिल हैं। 2025 में उन्होंने मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद को त्याग दिया और फिलहाल मुख्य वैज्ञानिक के

रूप में भूमिका निभा रहे हैं और अनुसंधान, उत्पाद नवाचार और ज़ोहो के दीर्घकालिक दृष्टिकोण पर अधिक ध्यान दे रहे हैं।

विनम्रता और दूरदर्शिता के धनी श्रीधर वेंबू समावेशी और समग्र विकास पर ध्यान केन्द्रित करने वालेहैं। वे पारम्परिक सोच से हटकर नवाचार वाले उद्यम बनाने के लिए उद्यमियों की नई पीढ़ी को प्रेरित करते रहते हैं।

सदस्यगण

श्रीमती सौम्या गुप्ता, भा.प्र.से.
संयुक्त सचिव (आई.आई.आई.टी.)
उच्चतर शिक्षा विभाग,
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
नई दिल्ली

श्रीमती सौम्या गुप्ता फिलहाल शिक्षा मंत्रालय में संयुक्त सचिव (तकनीकी शिक्षा) के रूप में सेवारत हैं। वे त्रिपुरा संवर्ग की वर्ष 2004 के बैच की भा.प्र.से. अधिकारी हैं।

श्री सौरभ गौड, भा.प्र.से.
सचिव
उच्चतर शिक्षा विभाग
आंध्र प्रदेश सरकार

सौरभ गौड़ 2002 बैच के आंध्र प्रदेश कैडर के प्रतिष्ठित भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) अधिकारी हैं। इनका जन्म 6 नवंबर 1979 को हरियाणा में हुआ। वे 2001 में यू.पी.एस.सी. सिविल सेवा परीक्षा में उत्तीर्ण होकर 23 वर्ष की कम उम्र में ही आईएएस अधिकारी बन गए। अपने सक्रिय नेतृत्व और शासन में विशेषज्ञता के लिए जाना जाने वाले श्री सौरभ को खाद्य आपूर्ति, सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षा और वित्त आदि विविध क्षेत्रों में कार्य करने का अनुभव है।

श्री श्रीनिवास सी. राजू
अध्यक्ष, श्री सिटी फ़ाउंडेशन

श्री चिंतालपति श्रीनिवास राजू दक्षिण भारत का सबसे बड़ा एकीकृत व्यावसायिक शहर श्री सिटी के अध्यक्ष हैं।

श्रीनि राजू के नाम से भी जाना जाने वाले श्री चिंतालपति श्रीनिवास राजू भारतीय उद्यमी और निजी इक्विटी निवेशक हैं। श्रीनि राजू डन एंड ब्रैडस्ट्रीट सत्यम सॉफ़्टवेयर के संस्थापक, सीईओ और एमडी थे। यह कंपनी डन एंड ब्रैडस्ट्रीट की आंतरिक प्रौद्योगिकी इकाई है जिसकी स्थापना 1994 में की गई थी। इसका लक्ष्य डन एंड ब्रैडस्ट्रीट के व्यवसायों के लिए बड़े पैमाने पर आईटी परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर केंद्रित था। बाद में डी.बी.एस.एस. का नाम बदलकर कॉग्निजेंट कर दिया गया।

श्रीनि बाद में हैदराबाद और चेन्नै स्थित एक निजी इक्विटी (पीई) फर्म पीपुल कैपिटल (आईलैब्स वेंचर कैपिटल फंड के उत्तराधिकारी) के सह-संस्थापक और अध्यक्ष बने। अगली पीढ़ी के उद्यमियों को वित्त पोषण और मार्गदर्शन देने के अलावा वे उच्च शिक्षा संस्थानों के निर्माण में भी सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

श्रीनि ने यूटा स्टेट यूनिवर्सिटी, अमेरिका से सिविल एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग में एमएस और आरईसी (एनआईटी), कुरुक्षेत्र से सिविल इंजीनियरिंग में ऑनर्स की डिग्री प्राप्त की है।

श्रीनि शिक्षा और कौशल विकास में अधिक रुचि रखते हैं। अंतरराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद के संस्थापक सदस्य और शासी परिषद के सदस्य हैं; भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, श्री सिटी के उद्योग भागीदार (डोनर) और बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य हैं; इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस के कार्यकारी बोर्ड के सदस्य और श्रीनिराजू सेंटर फॉर नेटवर्क्ड इकोनॉमी (SRITNE) के बेनिफेक्टर हैं; के.आर.ई.ए. विश्वविद्यालय के सह-प्रायोजक (डोनर) और बोर्ड के सदस्य हैं और टी-हब, हैदराबाद के संस्थापक सदस्य और बोर्ड के सदस्य भी हैं।

डॉ. रवींद्र सन्ना रेड्डी
प्रबंध निदेशक, श्री सिटी प्राइवेट लिमिटेड

डॉ. रवींद्र सन्ना रेड्डी दक्षिण भारत का सबसे बड़ा एकीकृत व्यावसायिक शहर श्री सिटी के प्रबंध निदेशक हैं। वे लगभग दो दशकों से उच्च-तकनीकी उद्यमों के निर्माण और विकास में सक्रिय रहते हैं। श्री रवींद्र एक प्रतिष्ठित और कुशल उद्योगी हैं और बुनियादी ढाँचा विकास और उनसे संबद्ध व्यवसायों में इनकी अधिक रुचि है।

श्री रवि पहली पीढ़ी के सफल युवा उद्यमी का भी प्रतिनिधित्व करते हैं। एक सामान्य ग्रामीण परिवेश में जन्मे श्री रवि अत्यंत कम समय में अपनी कड़ी मेहनत और स्वप्रयास से अपने व्यवसायों को विशाल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुँचाया है।

जिस गाँव से उनका जन्म हुआ उस गाँव के और उस गाँव के पिछड़े लोगों के उत्थान के लिए उन्होंने अपने को एक "धरती पुत्र" के रूप में समर्पित किया। उन्होंने विदेश में रहने और व्यापार करने से प्राप्त अपने व्यापक अनुभव से स्थानीय समुदायों को मजबूत करने के उद्देश्य से श्री सिटी का निर्माण किया, जो भारत के नए शहरीकरण का एक उल्लेखनीय उदाहरण है। वे श्री सिटी को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ कंपनियों का केंद्र बनाने के अपने मिशन को पूरा करने के लिए अपनी टीम का सफलतापूर्वक नेतृत्व कर रहे हैं।

उन्होंने जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय, बाल्टीमोर, मैरीलैंड, यूएसए से पर्यावरण इंजीनियरिंग में एम.एस.ई. की डिग्री और यूटा स्टेट यूनिवर्सिटी, लोगान, यूटा, यूएसए से जल संसाधन प्रबंधन में एम.एस. की डिग्री और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (पूर्व में आर.ई.सी.), तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु, भारत से सिविल इंजीनियरिंग में बी.एस. की डिग्री प्राप्त की है।

श्री श्रीनिवास पेड्डाडा
वरिष्ठ सलाहकार
जनरल अटलांटिक इंडिया एवं दक्षिण पूर्व एशिया, हैदराबाद

श्री श्रीनिवास पेड्डाडा जनरल अटलांटिक में वरिष्ठ सलाहकार हैं। इन्हें आईटी अनुप्रयोगों और बुनियादी ढाँचे में 25 से अधिक वर्षों का अनुभव है। वे भारत और दक्षिण पूर्व एशिया में प्रौद्योगिकी क्षेत्र में फर्म की निवेश टीमों और पोर्टफोलियो कंपनियों को रणनीतिक सहायता

और सलाह प्रदान करते हैं। 2020 में जनरल अटलांटिक में शामिल होने से पहले श्रीनिवास निम्नलिखित पदों पर कार्यरत थे।

- मुख्य सूचना अधिकारी-भारत फाइनेंशियल इंक्लूजन लिमिटेड 2012-2020
- मुख्य सूचना अधिकारी-डी एंड बी दक्षिण एशिया, मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका समूह 2007-2012
- मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी, एआईजी (2006-2007)
- मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी, जीई फाइनेंस भारत क्षेत्र और जीई वैश्विक सहायता टीम (2005-2006)-प्रौद्योगिकी रणनीति और संचालन प्रबंधन
- मुख्य वास्तुकार, आईबीएम: 1995-2005
- वरिष्ठ सिस्टम विश्लेषक, टीसीएस (1992-1995)

सुश्री शालिनी कपूर
अध्यक्ष एवं मुख्य प्रौद्योगिकीविद्
ए.डब्ल्यू.एस. इंडिया

सुश्री शालिनी कपूर ए.आई. के प्रसार को और गहन व व्यापक बनाने के लिए अनुसंधान, रणनीति और विकास का कार्य करती हैं। वे आई.बी.एम. की ए.आई. बाज़ार-अग्रणी क्षमताओं का नेतृत्व कर रही हैं और सुसंगत, पुन: प्रयोज्य कार्यान्वयन पैटर्न, व्यावसायिक परिवर्तन और मूल्य को आगे बढ़ा रही हैं तथा ए.आई. को केवल डेटा वैज्ञानिकों के लिए ही नहीं, बल्कि व्यावसायिक उपयोगकर्ताओं के लिए भी सुलभ और उपयोगी बना रही हैं। वे संज्ञानात्मक अनुप्रयोगों और भारत सॉफ्टवेयर लैब्स में एआई कौशल और अपनाने को बढ़ाने के लिए अभिनव और आकर्षक कार्यक्रमों का नेतृत्व करती हैं। वे 23 वर्षों के अनुभव प्राप्त नवप्रवर्तक और प्रौद्योगिकी रणनीतिकार हैं। उनकी विशेषज्ञता व्यावसायिक अनिवार्यताओं को आगे बढ़ाने के लिए उत्पाद रणनीति विकसित करने, सॉफ्टवेयर उत्पाद विकास का नेतृत्व करने और उच्च प्रदर्शन करने वाली वैश्विक टीमों के निर्माण में निहित है। वे विभिन्न उद्योगों में जटिल समाधान विकास में सिद्ध वास्तुशिल्प कौशल के साथ प्रौद्योगिकी दृष्टि और व्यावसायिक कौशल का एक शक्तिशाली मिश्रण हैं। वे ग्राहकों की आवश्यकताओं के आधार पर अगली पीढ़ी के समाधानों को विकसित करने और नवाचार करने के लिए व्यापक रूप से जानी जाती हैं।

श्री भुवन आनंदकृष्णन
निदेशक एवं केंद्र प्रमुख
कैटरपिलर प्रौद्योगिकी केंद्र-भारत, चेन्नै

श्री भुवन आनंदकृष्णन कैटरपिलर इंडिया में इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी के निदेशक हैं। भुवन ने मद्रास विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री और ग्रेट लेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर डिग्री प्राप्त की है। वे ब्रैडली विश्वविद्यालय, यूएसए से प्रबंधन डिप्लोमाधारी भी हैं। फर्मवेयर डेवलपमेंट, मशीन एंड इंजन कंट्रोल सिस्टम, एचएमआई, टेलीमैटिक्स, ऑटोनॉमी एंड ऑटोमेशन, क्लाउड टेक्नोलॉजीज, एज कंप्यूटिंग और एडवांस्ड एनालिटिक्स के क्षेत्रों में इन्हें 21 से भी अधिक साल का अनुभव है। उन्होंने कैटरपिलर इनकार्पोरेशन में विभिन्न प्रकार की इंजीनियरिंग, रणनीति विकास और नेतृत्व के पदों पर काम किया है और भारत में इसके इलेक्ट्रॉनिक्स और सॉफ्टवेयर विकास योग्यता की स्थापना के प्रमुख सदस्य हैं।

प्रो. पी. जे. नारायणन
पूर्व निदेशक
अंतरराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद

प्रोफेसर पी जे नारायणन आईआईआईटी, हैदराबाद के पूर्व निदेशक हैं। वे 3डी विजन, कम्प्यूटेशनल कैमरा और समानांतर कंप्यूटिंग क्षेत्र के शोधार्थी भी हैं। उन्होंने 3डी ज्यामिति और गतिशील घटनाओं की उपस्थिति को जानने के लिए कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालय में 1990 के दशक के मध्य में वर्चुअलाइज्ड रियलिटी सिस्टम बनाया था। वे कई कंप्यूटर विजन और सामान्य कंप्यूटिंग कार्यों के लिए जीपीयू के शुरुआती अपनाने वालों में भी थे। उन्होंने आईआईटी खड़गपुर से स्नातक (1984), मैरीलैंड विश्वविद्यालय से कंप्यूटर विज्ञान में परास्नातक और पीएचडी (1992) की उपाधि प्राप्त की। वे 1992 से 1996 तक सीएमयू के रोबोटिक्स संस्थान में शोध संकाय सदस्य थे और 1996 से 2000 तक सेंटर फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड रोबोटिक्स, बैंगलोर के विजन और वर्चुअल रियलिटी समूहों का नेतृत्व किया। वे 2009 से 2014 तक एसीएम इंडिया के अध्यक्ष रहे और एसीएम की विभिन्न गतिविधियों जैसे पुरस्कार, प्रौद्योगिकी नीति आदि से जुड़े रहे।

प्रो. पार्थ पी. चक्रबर्ती
सीएसई के प्रोफेसर और
पूर्व निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर

प्रोफ़ेसर पार्थ पी. चक्रवर्ती ने 1985 में बी.टेक और 1988 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर के कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। वे 1988 में उसी विभाग में एक संकाय सदस्य के रूप में शामिल हुए और वर्तमान में एक वरिष्ठ प्रोफेसर हैं। जुलाई 2013 से 30 जून 2019 तक वे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर के निदेशक थे। वे अत्याधुनिक **VLSI** डिज़ाइन प्रयोगशाला के प्रभारी प्रोफेसर थे और उन्होंने उसकी स्थापना में भी सहयोग दिया। वे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर में प्रायोजित अनुसंधान और औद्योगिक परामर्श के डीन और उन्नत प्रौद्योगिकी विकास केंद्र के प्रमुख भी रह चुके हैं। वे इलेक्ट्रॉनिक्स, नियंत्रण और सॉफ्टवेयर पर रणनीतिक जनरल मोटर्स-भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर सहयोगी अनुसंधान प्रयोगशाला के सह-निदेशक भी थे। उन्होंने उद्योग और सरकार के साथ मिलकर काम किया है और शिक्षा मंत्रालय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, सीएसआईआर-एनआईटीएलआई, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, डीएचआई, आईएनएसए, वोक्सवैगन फाउंडेशन, इंटेल, सिनोप्सिस, गूगल, नेशनल सेमीकंडक्टर्स और जनरल मोटर्स जैसी कई कंपनियों में काम करके करोड़ों मूल्य की कई परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है। वे राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ़ इंडिया **(https://ndl.iitkgp.ac.in)**, ग्लोबल इनिशिएटिव फ़ॉर एकेडमिक नेटवर्क्स या **GIAN (www.gian.iitkgp.ac.in)**, **SPARC (sparc.iitkgpac.in)**, **IMPRINT** जैसी राष्ट्रीय पहलों के निर्माता और समग्र समन्वयक हैं, जो भारत के उच्च शिक्षा परिदृश्य में क्रांतिकारी बदलाव ला रही हैं।

प्रो. के.एन. सत्यनारायण
निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
तिरुपति, आंध्र प्रदेश

डॉ. कालिदिंदी एन. सत्यनारायण वर्तमान में आईआईटी तिरुपति, आंध्र प्रदेश के निदेशक हैं। वे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, चेन्नै, भारत में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के भवन प्रौद्योगिकी एवं निर्माण प्रबंधन प्रभाग में प्रोफेसर रह चुके हैं।

उन्होंने आईआईटी मद्रास से सिविल इंजीनियरिंग में बी.टेक की डिग्री प्राप्त की। उसके बाद उन्होंने क्लेम्सन विश्वविद्यालय, यूएसए से निर्माण इंजीनियरिंग और प्रबंधन में विशेषज्ञता के साथ एमएस और पीएचडी की डिग्री प्राप्त की। वे 1991 से आईआईटी मद्रास में संकाय

सदस्य हैं। 2009 में वे लोवा स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए में विजिटिंग प्रोफेसर थे। आईआईटी मद्रास में उन्होंने सलाहकार - पूर्व छात्र मामले (2004-2009) और अध्यक्ष - इंजीनियरिंग इकाई (2010-2013) के रूप में कार्य किया। वह वर्तमान में आईआईटी मद्रास रिसर्च पार्क - चरण II (एक मिलियन वर्ग फुट की सुविधा) की कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष हैं। उन्होंने आईआईएम तिरुच्चि, आईआईटी इंदौर और आईआईटी जोधपुर के नए परिसरों के निर्माण के लिए गठित समितियों के सदस्य के रूप में भी काम किया है। वे परियोजना प्रबंधन संस्थान (पीएमआई) के अकादमिक सलाहकार समूह के अध्यक्ष हैं; द ग्लास अकादमी के सलाहकार बोर्ड के उपाध्यक्ष हैं; भवन सामग्री व प्रमोशन काउंसिल (बीएमटीपीसी) के प्रबंधन बोर्ड के विशेषज्ञ सदस्य हैं तथा पांच कंपनियों के बोर्डों में स्वतंत्र निदेशक के रूप में कार्य करते हैं।

डॉ. के. शिव प्रसाद
एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईआईटी श्री सिटी

डॉ. शिवा कोटमराजू ने 2010 में मिसिसिपी स्टेट यूनिवर्सिटी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी की डिग्री प्राप्त की। उनकी पीएचडी एम.ओ.सी.वी.डी. का उपयोग करके कम तापमान पर सिलिकॉन कार्बाइड के एपीटैक्सियल विकास पर केंद्रित थी। 2011 से 2012 तक उन्होंने ऐक्सट्रॉन, इंक, कैलिफ़ोर्निया, यूएसए में GaN/GaAs एपीटैक्सी डेवलपमेंट प्रोसेस इंजीनियर के रूप में काम किया। डॉ. शिवा कोटमराजू ने आईआईआईटी श्रीसिटी में शामिल होने से पहले वी.आई.टी. यूनिवर्सिटी वेलूर में एक सेमेस्टर तक काम किया। 2014 से वे भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, श्रीसिटी, आंध्र प्रदेश, भारत में सहायक/एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में सेवारत हैं। उन्होंने आई.आई.आई.टी. श्री सिटी में अपने कार्यकाल के दौरान विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डी.एस.टी.) और इसरो से वित्त पोषित परियोजनाएँ पूरी कीं। उनके मार्गदर्शन में दो शाधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्राप्त हुई। उनकी वर्तमान शोध रुचियों में उच्च वोल्टेज अनुप्रयोगों के लिए सिलिकॉन कार्बाइड पावर उपकरणों का टीसीएडी मॉडलिंग और अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के लिए GaAs आधारित मल्टी-जंक्शन सौर सेल शामिल हैं।

डॉ. वाई. राजा वर प्रसाद

सहायक प्राध्यापक, आईआईआईटी श्री सिटी

डॉ. राजा वर प्रसाद ने आईआईटी खड़गपुर से एम.टेक और आईआईटी हैदराबाद से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। डॉ. राजा वर प्रसाद जून 2016 से भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी), श्री सिटी में कार्यरत हैं, जहाँ वे वर्तमान में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग के सहायक प्राध्यापक हैं। उनके शोध में वायरलेस सेंसर नेटवर्क, IoT और मानवरहित हवाई वाहन (UAV) शामिल हैं। उन्होंने विभिन्न प्रायोजित परियोजनाओं जैसे कि वर्ष 2010-2011 में इंडो-यूके IUATC के व्यापक सेंसर नेटवर्क थीम, साइबर फिजिकल सिस्टम्स (CPS) हब की स्मार्ट बिल्डिंग और 2012 से 2015 तक IITH की इंटरनेट ऑफ थिंग्स परियोजना के लिए भी काम किया। उन्होंने स्मार्ट बिल्डिंग के लिए "पावर मॉनिटरिंग मॉड्यूल", "बिल्डिंग एनर्जी मैनेजर", नेटवर्किंग क्षमताओं के साथ "वायु प्रदूषण मॉनिटरिंग" नोड डिजाइन और 2008 से 2015 तक विद्युत वितरण प्रणालियों के मॉनिटरिंग मॉड्यूल जैसे विभिन्न उत्पाद विकास परियोजनाओं के लिए काम किया। वे वर्तमान में ICPS-DST द्वारा वित्त पोषित "सेंसर, मल्टीहॉपिंग और एनालिटिक्स - विलेज वेल्स (स्मार्ट विलेज वेल्स) के रियल-टाइम इंटर-कनेक्शन के लिए" जैसी वित्त पोषित परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। वे मई 2019 से MeitY इंडिया द्वारा प्रायोजित "स्वायत्त यात्री ड्रोन का डिजाइन और निर्माण" नामक बहु-विषयक और बहु-संस्थान परियोजना में सह-अन्वेषक के रूप में भी काम कर रहे हैं। वह TiHAN-IIT हैदराबाद द्वारा वित्त पोषित परियोजना "एडवांस्ड एरियल मैपिंग (AAM) राइडर: यूएवी का उपयोग करके मैंगो फार्मों के लिए यील्ड डिटेक्शन सिस्टम" के पी.आई. भी हैं।

प्रो. एम. वी. कार्तिकेयन
निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)
6 जून, 2024 प्रभावी

प्रो. एम.वी. कार्तिकेयन आईआईटी रुड़की (आईआईटीआर) में इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग के प्रोफेसर हैं। प्रो. कार्तिकेयन ने 2003 में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में आईआईटीआर में कार्यभार ग्रहण किया और 2009 में उन्हें पूर्ण–प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत किया गया। 2020 से अक्टूबर 2022 तक, प्रो. कार्तिकेयन प्रतिनियुक्ति आधार पर आईआईटी–तिरुपति में कार्यरत रहे।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय और आईआईटीबीएचयू के पूर्व छात्र, उन्होंने 1985 में अपनी मास्टर डिग्री और 1992 में एडवांसड इलेक्ट्रॉनिक्स एंड रेडियोफिजिक्स तथा माइक्रोवेव इंजीनियरिंग में पीएचडी डिग्री प्राप्त की। वे 1989 से 2001 तक केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान, पिलानी में अनुसंधान वैज्ञानिक रहे। 2003 में आईआईटीआर में कार्यभार ग्रहण करने से पहले, प्रो. कार्तिकेयन इंस्टीट्यूट फूर होचलीस्टुंगसिम्पल्स–अंड मिक्रोवेलेंटेक्निक, कार्लजूए इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कार्लजूए, जर्मनी (1996, 1998–2000, 2001–2003; और 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2011, 2012 में गर्मियों के दौरान) में कार्यरत थे। प्रो. कार्तिकेयन को एलेग्जेंडर वॉन हम्बोल्ट फाउंडेशन की इलेक्ट्रिकल साइंसेज के लिए हिल्डेगार्ड–मैयर रिसर्च फेलोशिप (1998–2000) और एलेग्जेंडर वॉन हम्बोल्ट रिसर्च फेलोशिप (2001–2003, 2011, 2012) से सम्मानित किया गया है। वे आईईईई, आईएनई, आईईटी, वीईडीएस, आईई और आईईटीई के फेलो रहे हैं। प्रो. कार्तिकेयन ने 2018–2021 के दौरान आईईईई इलेक्ट्रॉन डिवाइस सोसाइटी (आईईईई–ईडीएस–वीईटीसी) की वैक्यूम इलेक्ट्रॉनिक्स तकनीकी समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया है। वे 2022 से वीईटीसी के संवाददाता सदस्य के रूप में काम कर रहे हैं। वे इंटरनेशनल जर्नल ऑफ माइक्रोवेव एंड ऑप्टिकल टेक्नोलॉजी (आईजेएमओटी) के संपादकीय बोर्ड में हैं। प्रो. कार्तिकेयन 5 पुस्तकों के मुख्य लेखक हैं और उन्होंने सहकर्मी समीक्षा किए गए लेनदेन/पत्रिकाओं और सम्मेलनों में 350 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। उनकी वर्तमान शोध रुचियों में उच्च शक्ति मिलीमीटर तरंग और टेराहर्ट्ज स्रोत; आरएफ सर्किट, एंटेना और सिस्टमय मेटामटेरियल और फ्रैक्टलय कम्प्यूटेशनल इलेक्ट्रोमैग्नेटिक्सय और सॉफ्ट कंप्यूटिंग और मशीन लर्निंग तकनीकों के साथ आरएफ और माइक्रोवेव डिजाइन शामिल हैं।

प्रो. कार्तिकेयन ने आईआईटीआर में विभिन्न प्रशासनिक पदों पर कार्य किया। उन्होंने एसोसिएट डीन – फैकल्टी मामलों, अध्यक्ष – लाइब्रेरी सलाहकार समिति, अकादमिक अध्यक्ष – इलेक्ट्रॉनिक्स और आईसीटी अकादमी, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख और संस्थान कंप्यूटर केंद्र के प्रमुख के रूप में कार्य किया।

आईआईआईटी श्रीसिटी के निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) के रूप में, वे संस्थान के शोध माहौल को बेहतर बनाने और एक ऐसा शिक्षण वातावरण तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहाँ समस्या समाधान से उत्पाद का विकास होता है। उनका प्रयास है कि संस्थान अपने अनूठे पाठ्यक्रम और उद्योग और अनुसंधान संगठनों के साथ सहयोग करने के प्रयासों के साथ अनुसंधान और उद्यमिता आधारित इंजीनियरिंग शिक्षा का एक प्रमुख संस्थान बने।

कर्नल टी. उमाशंकर(सेवानिवृत्त)
कुलसचिव

कर्नल टी. उमाशंकर (सेवानिवृत्त) 8 दिसंबर 2022 से आईआईआईटी श्री सिटी चित्तूर श्री सिटी के कुलसचिव का कार्यभार संभाल रहे हैं।

2.3.2 **वित्त समिति**

अध्यक्ष	अध्यक्ष, आई.आई.आई.टी. श्री सिटी चित्तूर
सदस्य	श्री अनिल कुमार निदेशक (वित्त) आई.एफ.डी. अनुभाग उच्चतर शिक्षा विभाग (टीएस-1) शिक्षा मंत्रालय
	सचिव उच्चतर शिक्षा विभाग आंध्र प्रदेश सरकार
	श्री श्रीनिवास सी. राजु अध्यक्ष श्री सिटी फाउंडेशन
	निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) आईआईआईटी श्रीसिटी चित्तूर
	कुलसचिव आईआईआईटी श्रीसिटी चित्तूर पदेन सचिव

2.3.3. **भवन और निर्माण समिति**

अध्यक्ष	निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) आईआईआईटी श्रीसिटी चित्तूर
सदस्य	प्रो. पी. कृष्ण एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागध्यक्ष सिविल इंजीनियरी विभाग आई.आई.टी. तिरुपति (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नामित)
	श्री वाई. वेंकटपति राव संयुक्त सचिव उच्चतर शिक्षा विभाग आंध्र प्रदेश सरकार (आंध्र प्रदेश सरकार के प्रतिनिधि)

	श्री श्रीनिवास तल्लाप्रगदा स्वतंत्र परियोजना एवं सुविधा सलाहकार (उद्योग भागीदार नामित)
	प्रो. ए. मेहर प्रसाद प्रोफ़ेसर संरचनात्मक अभियांत्रिकी प्रभाग, आईआईटी मद्रास (बोर्ड द्वारा नामित)
	श्री यू. शरद चंद्र कंठ संस्थापक और प्रमुख वास्तुकार, डिज़ाइनटेक, चेन्नै (बोर्ड द्वारा नामित)
	डॉ. हृषिकेश वेंकटरमन एसोसिएट प्रोफेसर
	कर्नल टी. उमाशंकर (सेवानिवृत्त) कुलसचिव पदेन सचिव आईआईआईटी श्री सिटी, चित्तूर

2.3.4 **शासी सभा** (सेनेट)

अध्यक्ष पदेन	निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) आईआईआईटी श्रीसिटी चित्तूर
प्रतिष्ठित शिक्षाविदों में से तीन व्यक्ति और ये संस्थान के कर्मचारी नहीं हैं।	प्रो. सी. वी. जवाहर - विशेष आमंत्रित प्रोफेसर व डीन (अनुसंधान और विकास) आईआईआईटी हैदराबाद
	प्रो. देबदीप मुखोपाध्याय - सदस्य प्रोफेसर, सीएसई विभाग आईआईटी खड़गपुर
	प्रो. बलरामन रवींद्रन - सदस्य प्रोफ़ेसर आईआईटी मद्रास
तीन व्यक्ति जो शिक्षण कर्मचारी नहीं हैं और जिन्हें विशेषज्ञ ज्ञान	डॉ. चंद्रमौलीश्वरन वी - सदस्य उपाध्यक्ष, जोखिम प्रबंधन, भारत

प्राप्त है।	पेपल, चेन्नै
	डॉ. प्रतिभा मूगी - सदस्य एसटीएसएम, आईबीएम, बंगलूरु
	डॉ. पार्थसारथी रामस्वामी - सदस्य वरिष्ठ प्रधान अभियंता इंटेल बंगलूरु
पदेन	सभी डीन
	सभी विभागाध्यक्ष
पदेन सचिव	कुलसचिव आईआईआईटी श्री सिटी, चित्तूर

2.4 **परिसर और स्थान**

इसका परिसर 81 एकड़ में फैला हुआ है और इसकी अवसंचरना अत्याधुनिक सुख-सुवधिाओं से परिपूर्ण है। यह परिसर चेन्नै के उत्तर में 55 किलोमीटर की दूरी पर नेल्लोर राजमार्ग पर स्थित है। सड़क, हवाई आदि मार्गों से आसानी से इस परिसर तक पहुँच सकते हैं। कृपया विस्तृत जानकारी के लिए http://www.sricity.in देखें। आईआईआईटी श्री सिटी एक दशक पुराना अत्याधुनिक औद्योगिक शहर श्री सिटी में स्थित है और यह शहर 8000 एकड़ में फैला हुआ है, जिसमें बहु-उत्पाद विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड), घरेलू टैरिफ क्षेत्र (डीटीजेड), मुक्त व्यापार और भंडारण क्षेत्र (एफटीडब्ल्यूजेड) और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर हैं। श्री सिटी 30 देशों की लगभग 180 कंपनियों की मेजबानी कर रहा है। संस्थान का अनेक उद्योगों के साथ अच्छा संबंध है और उन उद्योगों की साझेदारी से श्री सिटी में सुदृढ और सुदंर अवसंरचना है।

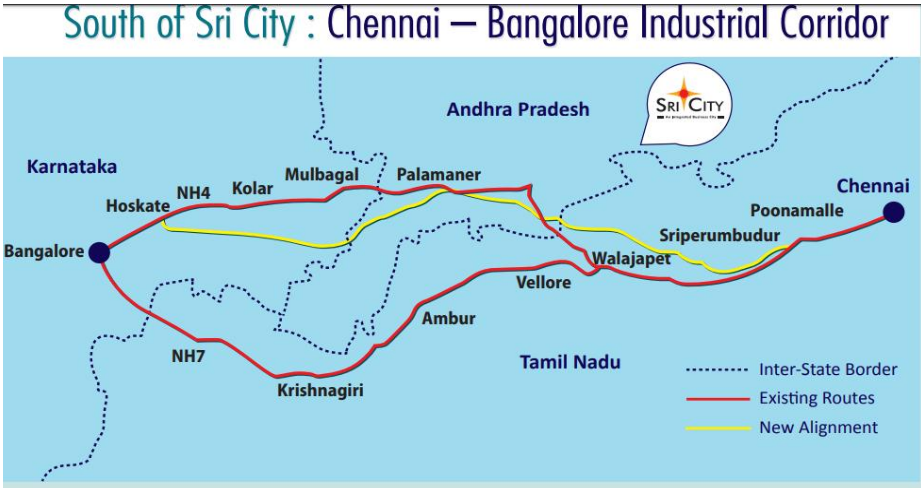

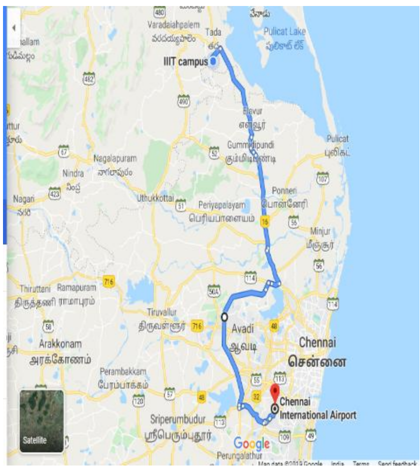

2.5 **अवसंरचना**

संस्थान ने शैक्षणिक वर्ष 2018-2019 से आंशिक सुविधाओं के साथ अपने निजी परिसर से कार्य करना शुरू किया।

एन.ई. शैक्षिक भवन

60 और 120 छात्र बैठ सकने वाली कक्षा कक्षाएँ

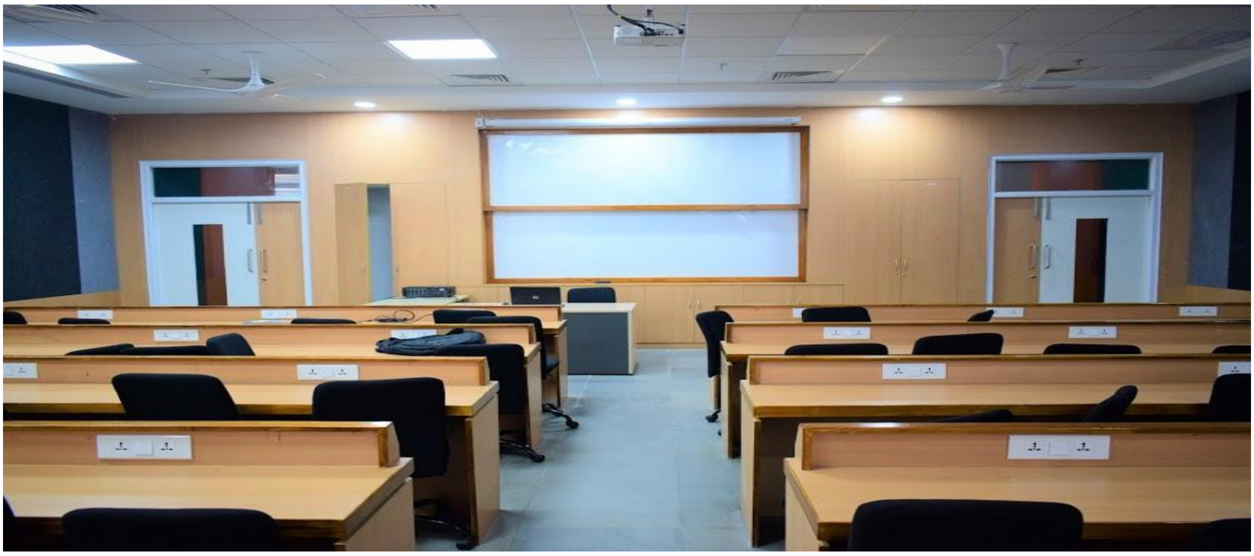

120 छात्र बैठ सकने वाली अतिरिक्त कक्षा कक्षाएँ (04)

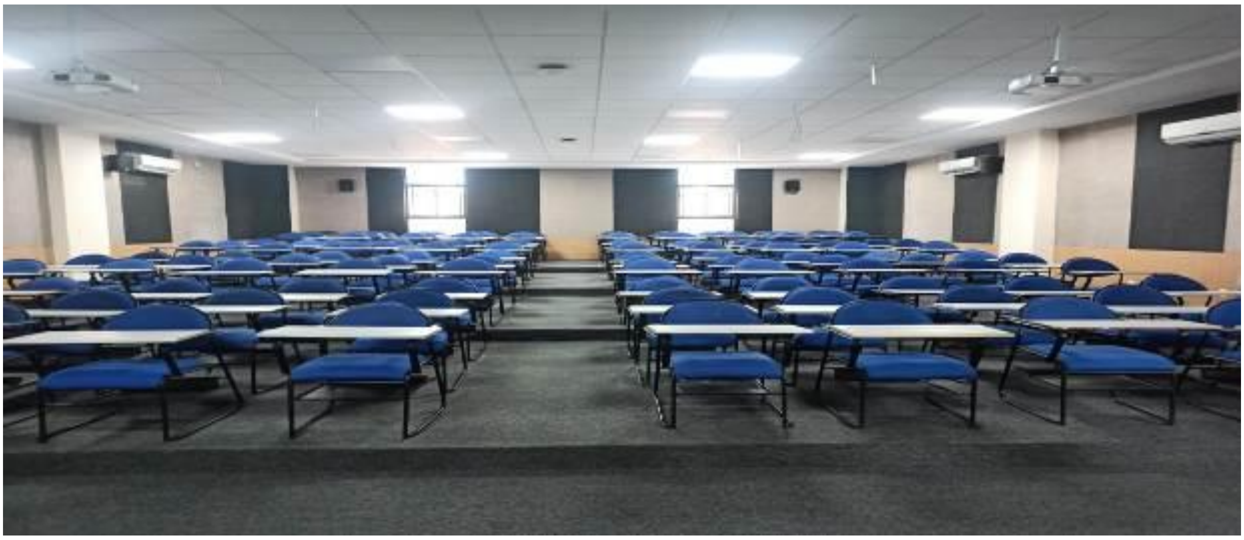

संकाय केबिन और अनुसंधान प्रयोगशालाएँ

125 छात्र बैठ सकने वाली संगणक प्रयोगशालाएँ

100 छात्र बैठ सकने वाली इलेक्ट्रॉनिक प्रयोगशालाएँ

पुस्तकालय

आईआईआईटी श्री सिटी पुस्तकालय की विशेषताएँ !! इसके पुस्तकालय का कुल क्षेत्रफल 1905 वर्ग फुट है और इसमें 84 लोगों के बैठने की सुविधा है। इस पुस्तकालय में 23 अलमारियाँ हैं और इनमें सीएसई, ईसीई, गणित और मानविकी आदि विभाग की कुल 3012 पुस्तकें रखी जा सकती हैं। यह संख्या पुस्तकों के आकार के आधार पर बदल सकती है।

आईआईआईटी श्री सिटी में 2024-25 के दौरान खरीदी गई पाठ्य-पुस्तकों, संदर्भ-ग्रंथों और शोध संबंधी पुस्तकों की विभागवार संख्या और उनके मूल्य का विवरण नीचे प्रस्तुत है।

क्रम सं.	विभाग	पुस्तकों की संख्या	मूल्य (रुपए में)
1.	ईसीई	10	9,900/-
2.	सीएसई	07	7,379/-
3.	प्रबंधन	01	1,468/-

2024-25 के दौरान आईआईआईटी श्री सिटी द्वारा पूर्ण-पाठ इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के चंदों पर किए गए व्यय का विवरण

क्रमसं.	ई-जर्नल / ऑनलाइन वार्षिक चंदा	व्यय (रुपए में)
1	IEEE इलेक्ट्रॉनिक लाइब्रेरी (IEL ऑनलाइन)	50,38,237/-
2	एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी	6,42,014/-

छात्रावास:

छात्रावास 1 & 2 और भोजन कक्ष -1

छात्रावास 3 & 4 और भोजन कक्ष - 2

भोजन कक्ष - 2

व्यायामशाला (जिम) की सुविधा

सुदृढ़ और सुंदर चारदीवारी

सड़क की बत्तियाँ

मुख्य प्रवेश द्वार का दृश्य

रसोई कक्ष के सामान और भोजन कक्ष -2

बैस्कट बॉल मैदान का निर्माण

बी.एच. 3 और बी.एच. 4 के निकट डामर सड़क का निर्माण

सर्विस ट्रेंच और पेवर ब्लॉक का निर्माण

शैक्षिक भवन - खिड़की सीलेंट कार्य

परिसर में वृक्षारोपण

3. प्रवेश

3.1 स्नातक प्रवेश नीति

आईआईआईटी श्री सिटी, सूचना प्रौद्योगिकी पर केंद्रित स्नातक पाठ्यक्रमों को चलाता है।

- कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में बी.टेक (सीएसई)
- इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग में बी.टेक (ईसीई)
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस (एआई और डीएस) में बी.टेक

संयुक्त सीट आबंटन प्राधिकरण(JoSAA)/केंद्रीय सीट आवंटन बोर्ड(CSAB) के अंतर्गत प्रवेश

आईआईआईटी श्री सिटी प्रवेश अधिनियम के अनुसार केंद्रीय शैक्षणिक संस्थान आरक्षण का पालन करता है। इस संस्थान में संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई मेन) के आधार पर प्रवेश होता है। जेईई मेन की अधिसूचना सितंबर-दिसंबर के दौरान पूरे भारत में दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित की जाती है और परीक्षा हर साल मई में भारत भर के विभिन्न केंद्रों पर आयोजित की जाती है। इस संस्थान में सभी वर्गों, धर्मों, जातियों और लिंगों के छात्र-छात्राओं के लिए प्रवेश दिए जाते हैं। यहाँ किन्नरों को भी प्रवेश दिया जाता है। सीएसई और ईसीई विषय के बी.टेक. पाठ्यक्रम में प्रवेश जे.ओ.एस.ए.ए./ सी.एस.ए.बी. (JoSAA/CSAB) द्वारा दिए जाते हैं।

जेईई मेन में प्राप्त मेरिट रैंकिंग के आधार पर, संयुक्त सीट आबंटन प्राधिकरण (JoSAA) या केंद्रीय सीट आवंटन बोर्ड (CSAB) छात्रों को अपनी पसंद का संस्थान चुनने के लिए ऑनलाइन काउंसलिंग सत्र के लिए आमंत्रित करता है। संयुक्त सीट आबंटन प्राधिकरण (JoSAA) या केंद्रीय सीट आवंटन बोर्ड (CSAB) सीट आबंटन प्रक्रिया की घोषणा करता है और आईआईआईटी श्री सिटी छात्रों को सीट आबंटन में कोई भूमिका नहीं निभाता है। आईआईआईटी श्री सिटी में प्रवेश के लिए मेरिट ही एकमात्र मानदंड है। प्रवेश प्रक्रिया के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया वेबसाइट www.josaa.nic.in देखें।

इस वर्ष में संयुक्त सीट आबंटन प्राधिकरण (JoSAA) या केंद्रीय सीट आवंटन बोर्ड (CSAB) के माध्यम से सीएसई, एआई एवं डीएस तथा ईसीई में 4 वर्षीय बी.टेक पाठ्यक्रम में 403 छात्रों को प्रवेश दिया गया।

डी.ए.एस.ए.(DASA) और भारत में अध्ययन कार्यक्रम के अंतर्गत प्रवेश

संस्थान ने 2019-20 से DASA और स्टडी इन इंडिया प्रोग्राम के माध्यम से विदेशी छात्रों के प्रवेश के लिए कदम उठाए हैं। इसके अतिरिक्त, स्टडी इन इंडिया और यूके एजुकेशन एंड रिसर्च इनोवेशन पार्टनरशिप (UKIERI) के एक अंश के रूप में, आईआईआईटी श्री सिटी, यूके

के विशिष्ट विश्वविद्यालयों के छात्रों को आईआईआईटी श्री सिटी में न्यूनतम दो सप्ताह से लेकर छह महीने तक के प्रवास की सुविधा प्रदान करेगा।

DASA के माध्यम से 6 छात्रों को 4 वर्षीय बी.टेक पाठ्यक्रम में प्रवेश मिला। DASA के बारे में अधिक जानकारी के लिए www.dasanit.org पर जाएँ। भारत में अध्ययन कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी के लिए https://www.studyinindia.gov.in देखें।

3.2 पीएचडी प्रवेश नीति

पीएचडी की उपाधि की प्राप्ति हेतु यह संस्थान निम्नलिखित डॉक्टरेट पाठ्यक्रम आयोजित करता है :

i) कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग
ii) इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग
iii) गणित और डेटा विज्ञान

आईआईआईटी श्री सिटी में पीएचडी हेतु पंजीकरण कराने के इच्छुक छात्रों के लिए दो वर्गों में पंजीकरण करने की व्यवस्था है। पूर्णकालिक शोध करने के इच्छुक छात्र पूर्णकालिक पीएचडी चुन सकते हैं और सरकारी अनुसंधान एवं विकास संगठनों/आईटी पेशेवरों में कार्यरत पेशेवर अंशकालिक पीएचडी चुन सकते हैं। पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश वर्ष में दो बार मई और दिसंबर में होता है।

सीएसई/ईसीई में पूर्णकालिक पीएचडी

इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी की किसी भी विषय में एम.ई./एम.टेक./एम.एस. या समकक्ष डिग्री के अच्छे शैक्षणिक रिकॉर्ड वाले छात्रों (या) सांख्यिकी/गणित/कंप्यूटर अनुप्रयोग/इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान/कंप्यूटर विज्ञान/सूचना प्रौद्योगिकी में मास्टर डिग्री (या गणित और प्रोग्रामिंग में मजबूत पृष्ठभूमि वाले क्षेत्र) या किसी अन्य संबंधित विषय में मास्टर डिग्री वाले असाधारण उम्मीदवार (या) 9.0 या उससे अधिक सीजीपीए प्राप्त बी.ई./बी.टेक या समकक्ष डिग्री वाले असाधारण उम्मीदवार और शोध पत्रों, आईपी और इसी तरह के शोध परिणामों के माध्यम से शोध क्षमता का प्रदर्शन करने वाले उम्मीदवारों पर पीएचडी में प्रवेश देने के लिए विचार किया जाता है।

सीएसई/ईसीई में अंशकालिक पीएचडी

भारत में रहने वाले और नौकरी करने वाले उन उम्मीदवारों पर जो आईटी उद्योग/बहुराष्ट्रीय कंपनियों में काम करते हों और जिनकी तकनीकी पृष्ठभूमि अच्छी हो या भारत सरकार की अनुसंधान प्रयोगशालाओं जैसे डीआरडीओ, इसरो आदि में कार्यरत वैज्ञानिक अंशकालिक पीएचडी में प्रवेश पाने हेतु आवेदन करने के पात्र हैं। इसके अतिरिक्त, उम्मीदवारों को

निम्नलिखित मानदंडों में से किसी एक को भी पूरा करना होगा: संबंधित क्षेत्र में कम से कम प्रथम श्रेणी में मास्टर डिग्री या संबंधित क्षेत्र में बी.ई./बी.टेक. वाले असाधारण उम्मीदवार। दोनों ही मामलों में, मास्टर डिग्री वाले उम्मीदवार के पास प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कंपनियों में कम से कम 2 वर्ष का प्रलेखित औद्योगिक अनुभव होना चाहिए या प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कंपनियों में 5 वर्ष का प्रलेखित औद्योगिक अनुभव वाली स्नातक डिग्री होनी चाहिए।

प्रवेश-प्रक्रिया

- न्यूनतम पात्रता मानदंडों को पूरा करना
- पीएचडी प्रवेश समिति द्वारा अनुशंसित उम्मीदवारों को लिखित परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा।
- लिखित परीक्षा में प्राप्त योग्यता के आधार पर चुने गए उम्मीदवारों को पीएचडी प्रवेश साक्षात्कार पैनल के समक्ष साक्षात्कार के लिए उपस्थित होना होगा।

पीएचडी पाठ्यक्रम में उम्मीदवारों का चयन योग्यता के आधार पर किया जाएगा। प्रत्येक श्रेणी (संस्थान छात्रवृत्ति, उद्योग कार्मिक) के सभी उम्मीदवारों की योग्यता क्रम की सूची लिखित परीक्षा, साक्षात्कार, यूजी/पीजी में प्राप्त अंकों, अनुभव और प्रकाशनों के संचयी अंकों के आधार तैयार की जाएगी। पृष्ठभूमि और अनुभव को ध्यान में रखते हुए, साक्षात्कार और अन्य घटकों (जैसे शैक्षणिक योग्यता, शोध प्रकाशन/पेटेंट, कार्य अनुभव, आदि) को अधिक महत्व दिया जा सकता है।

सम्मर 2024 और स्प्रिंग 2025 में भर्ती हुए पीएचडी अनुसंधाताओं की संख्या - 8

4. शैक्षिक पाठ्यक्रम

4.1 स्नातक

स्नातक पाठ्यक्रम

आईआईआईटी श्री सिटी, चित्तूर को पहले 5 वर्ष तक आईआईआईटी हैदराबाद द्वारा मार्गदर्शन किया गया। आईआईआईटी श्री सिटी का पाठ्यक्रम अभ्यास-सिद्धांत-अभ्यास दृष्टिकोण पर आधारित है, जिसमें छात्रों को पहले व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करके वास्तविक दुनिया की इंजीनियरिंग अवधारणाओं से परिचित कराया जाता है। इसके बाद कठोर सिद्धांत-आधारित पाठ्यक्रम होते हैं, जिसके बाद गहन वास्तविक दुनिया की परियोजनाओं वाले व्यावहारिक पाठ्यक्रम होते हैं, जिनमें प्रत्येक छात्र की गहन भागीदारी की आवश्यकता होती है। पाठ्यक्रम को आईआईआईटी हैदराबाद, आईआईटी और विश्व

स्तर पर अग्रणी उच्च शिक्षा संस्थानों की सर्वोत्तम प्रथाओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है।

संस्थान का पाठ्यक्रम अग्रणी अनुसंधान को सर्वोच्च स्तर की शिक्षा से जोड़ता है और इसके जरिए स्नातक छात्रों को दूसरे वर्ष के अंत से विभिन्न अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास परियोजनाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विशेषकर, पाठ्यक्रम रिसर्च ऑनर्स प्रोग्राम का अवसर प्रदान करता है, जिसमें छात्र 2 साल तक एक विशिष्ट क्षेत्र पर काम करके अपने कौशल को निखार सकते हैं और अपनी रुचि के क्षेत्र में अपने कौशल को दिखा सकते हैं। हम साइबर सुरक्षा, साइबर फिजिकल सिस्टम (IOoT और ऑटोनॉमस सिस्टम), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग, डेटा साइंस के क्षेत्रों में माइनर/स्पेशलाइजेशन पाठ्यक्रम की पेशकश कर रहे हैं। इसके अलावा, फिनटेक, बायो-इंफॉर्मेटिक्स, ब्लॉकचेन आदि में विशेषज्ञता/सामान्य पाठ्यक्रम की पेशकश करने का भी विचार है। यही नहीं, हम छात्रों को एक प्रोग्राम इलेक्टिव, एक इंस्टीट्यूट इलेक्टिव और एक SEED कोर्स के साथ-साथ 8 क्रेडिट के लिए इंडस्ट्री/रिसर्च लैब्स में सेमेस्टर लॉन्ग प्रोजेक्ट (SLP) करने की सुविधा भी दे रहे हैं।

किसी एक विषय में विशेषज्ञता के साथ स्नातक उपाधि

आईआईआईटी श्री सिटी में पात्र छात्र अतिरिक्त क्रेडिट और सेमेस्टर लंबी इंटर्नशिप परियोजनाओं के माध्यम से एआई और एमएल, साइबर सुरक्षा, डेटा विज्ञान, साइबर भौतिक प्रणालियों और अगली पीढ़ी के वायरलेस संचार आदि विषय में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. उपाधि प्राप्त कर सकते हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) मशीन लर्निंग (एम.एल.) में विशेषज्ञता

शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, सूचना फोरेंसिक, दृश्य समझ, कुशल परिवहन, जनता को ई-गवर्नेंस सेवाएँ प्रदान करने की दक्षता में वृद्धि आदि क्षेत्रों की वर्तमान व जटिल सामाजिक समस्याओं को हल करने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कई देशों ने इस दिशा में राष्ट्रीय स्तर पर प्रयास किए हैं। भारत सरकार ने भी भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका पर व्यापक चर्चा शुरू की है। नीति आयोग ने भारत सरकार को एक गहन कृत्रिम बुद्धिमत्ता योजना का सुझाव दिया है। इसके अलावा, गूगल, अमेज़न, आईबीएम, माइक्रोसॉफ्ट जैसे शीर्ष आईटी उद्योगों ने वर्तमान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अनुसंधान और विकास में भारी निवेश किया है। आजकल दुनिया भर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में कई स्टार्टअप भी उभर रहे हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक राष्ट्रीय महत्व का संस्थान होने के नाते, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग में विशेष बी.टेक. कार्यक्रम, आईआईआईटीएस के पारिस्थितिकी तंत्र को और बढ़ावा देगा और अत्यधिक कुशल मानवशक्ति तैयार करेगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग में बी.टेक. का उद्देश्य उद्योग की तात्कालिक आवश्यकताओं को पूरा करना और समाज के लिए उच्च-स्तरीय ए.आई. के वैज्ञानिक और इंजीनियर तैयार करना है। इस विशेष कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में कठोर प्रशिक्षण प्रदान करके स्नातकों को तैयार करना है। एआई और मशीन लर्निंग में विशेषज्ञता वाला बी.टेक. पाठ्यक्रम छात्रों को इस प्रकार सशक्त बनाएगा कि वे एआई के क्षेत्र में विश्व में अग्रणी बन सकें और भारत के भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग (AI & ML) को नौकरियों और शोध के शीर्ष क्षेत्रों में से एक माना गया है। अकेले सीएसई में किसी भी अन्य साधारण बी.टेक. पाठ्यक्रमों की तुलना में इस क्षेत्र में नौकरियों की संख्या अधिक होगी। हमारे संस्थान ने AI & ML में विशेषज्ञता शुरू करने के लिए बहुत प्रयास किए हैं ताकि हमारे छात्रों को AI & ML ज्ञान और कौशल वाले इंजीनियरों की मांग को पूरा करने के लिए तैयार किया जा सके। इसलिए, वर्तमान अंतिम वर्ष के छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में विशेषज्ञता चुनने की सलाह दी जाती है ताकि उन्हें अच्छी कंपनी में नौकरी और अच्छे वेतन मिलने की संभावना बढ़े।

एआई और एमएल विशेषज्ञता के साथ सीएसई में साधारण बी.टेक डिग्री के लिए, वर्तमान अंतिम वर्ष के छात्रों को 156 क्रेडिट प्राप्त करने होंगे। ऑनर्स के साथ बी.टेक के लिए, छात्रों को 164 क्रेडिट प्राप्त करने होंगे।

इसके अतिरिक्त, छात्र एआई और एमएल में विशेषज्ञता के अंश के रूप में अभ्यास-उन्मुख शिक्षा के साथ निम्नलिखित पाठ्यक्रमों का विकल्प चुन सकते हैं:

I. गहन अधिगम
II. सुदृढीकरण अधिगम
III. सॉफ्ट कंप्यूटिंग और विकासवादी कृत्रिम बुद्धिमत्ता
IV. कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग के उद्योग अनुप्रयोग
V. सेमेस्टर भर की परियोजना

इन पाठ्यक्रमों में उद्योग और शिक्षा जगत के विशेषज्ञों के शिक्षण भी शामिल है और इनमें से प्रत्येक मद (I) - (III) में 3 क्रेडिट और (IV) में 1 क्रेडिट है। सेमेस्टर भर की परियोजना में 8 क्रेडिट होते हैं और यह कार्य उन उद्योगों में किया जाना चाहिए जो AI

और ML से जुड़े हैं। इस प्रकार, कुल मिलाकर, AI और ML विशेषज्ञता चुनने वाले छात्र को AI और ML में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. की डिग्री प्राप्त करने के लिए 14 अतिरिक्त क्रेडिट लेने होंगे।

साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता

वर्तमान और आने वाले वर्षों में उपलब्ध साइबर सुरक्षा (सीएस) नौकरियाँ आईटी नौकरियों की संख्या से बहुत आगे निकल जाएँगी। इसका अर्थ यह है कि साइबर सुरक्षा पेशेवरों की माँग बढ़ रही है, लेकिन कंपनियों को साइबर सुरक्षा प्रोफ़ाइल वाले लोगों की कमी महसूस हो रही है। दरअसल, नैसकॉम ने 2025 के पहले (माँगों को पूरा करने के लिए) दस लाख साइबर सुरक्षा नौकरियाँ सृजित करने का आह्वान किया है और ये सारी बातें आने वाले वर्षों में स्नातक करने वाले छात्रों के लिए विश्वविद्यालय में इस विशेषज्ञता को विकसित करने की तत्काल आवश्यकता की ओर इशारा करती हैं। ऐसे अवसरों की उपस्थिति में, हम सीएस में विशेष स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के माध्यम से सीएस में विशेषज्ञता विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. का उद्देश्य नेटवर्क और डेटा सुरक्षा के क्षेत्र में अत्यधिक कुशल जनशक्ति की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रतिभाशाली लोगों को तैयार करना है। आईआईआईटी श्री सिटी कम्युनिटी विभिन्न शीर्ष-स्तरीय उद्योगों से अच्छी तरह जुड़ी हुई है जो सूचना सुरक्षा के विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों में काम करते हैं। प्रस्तावित विशेषज्ञता में सूचना सुरक्षा से संबंधित विभिन्न पाठ्यक्रम और संबंधित क्षेत्र में कुछ उन्नत वैकल्पिक पाठ्यक्रम शामिल हैं।

साइबर सुरक्षा विशेषज्ञता के साथ सीएसई में बी.टेक डिग्री के लिए, वर्तमान अंतिम वर्ष के छात्रों को 156 क्रेडिट प्राप्त करने होंगे। बी.टेक ऑनर्स के छात्रों को 164 क्रेडिट प्राप्त करने होंगे। इसके अतिरिक्त, छात्र साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता के तहत अभ्यास-उन्मुख शिक्षण के साथ निम्नलिखित पाठ्यक्रमों का विकल्प चुन सकते हैं:

i) नेटवर्क और डेटा सुरक्षा
ii) ख़तरा खुफिया
iii) सॉफ़्टवेयर सुरक्षा
iv) साइबर सुरक्षा विनियम
v) सेमेस्टर भर की परियोजना

इन पाठ्यक्रमों में उद्योग और शिक्षा जगत के विशेषज्ञो द्वारा पढ़ाना भी शामिल है। इन पाठ्यक्रमों में (i) - iii) प्रत्येक में 3 क्रेडिट और (iv) में 1 क्रेडिट होता है। सेमेस्टर भर चलने वाले इस प्रोजेक्ट में 4 क्रेडिट होते हैं और यह कार्य साइबर सुरक्षा से जुड़े उद्योगों में किया जाना चाहिए। इस प्रकार, कुल मिलाकर, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञता चुनने वाले छात्र को साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. की डिग्री प्राप्त करने के लिए 14 अतिरिक्त क्रेडिट प्राप्त करने चाहिए।

डेटा विज्ञान में विशेषज्ञता

दुनिया के हर कोने में डेटा वैज्ञानिकों की मांग बढ़ रही है क्योंकि लगभग सभी प्रकार के उद्योग डेटा आधारित निर्णय लेने के लिए इच्छुक हैं। पिछले 5 वर्षों से डेटा विज्ञान की नौकरियों की मांग लगातार अत्यधिक बढ़ रही है। इससे यह पता चलता है कि दुनिया के साथ-साथ भारत में भी, डेटा विज्ञान के विभिन्न पहलुओं में पारंगत डेटा वैज्ञानिकों की मांग अधिक है।
हालाँकि यह आसानी से समझा जा सकता है कि अपेक्षाकृत नया क्षेत्र होने के कारण, डेटा विज्ञान में कुशल संसाधनों की आपूर्ति अभी भी काफी कम है। न केवल मात्रा की दृष्टि से, बल्कि पारिश्रमिक या परिष्कार की दृष्टि से भी नौकरियों की गुणवत्ता बहुत आकर्षक है। स्वास्थ्य सेवा, विमानन, विनिर्माण, ऑटोमोबाइल, आईटी सेवाएँ, ई-कॉमर्स, फार्मा, वित्तीय संस्थान, बुनियादी ढाँचा, मनोरंजन, एफएमसीजी कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ डेटा विज्ञान उनके व्यवसायों का एक अनिवार्य घटक बन गया है। दुनिया की कुछ औद्योगिक अनुसंधान प्रयोगशालाओं और शैक्षणिक संस्थानों ने इस क्षेत्र में अनुसंधान और विकास पर अपने प्रयास पहले ही प्रदर्शित कर दिए हैं।

डेटा विज्ञान विशेषज्ञता के साथ सीएसई/ईसीई में बी.टेक डिग्री के लिए, वर्तमान अंतिम वर्ष के छात्रों को 156 क्रेडिट प्रापत करने होंगे। ऑनर्स के साथ बी.टेक करने वाले छात्रों को 164 प्राप्त करने होंगे। इसके अतिरिक्त, छात्र डेटा विज्ञान में विशेषज्ञता के तहत अभ्यास-उन्मुख शिक्षा के साथ निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से एक को चुन सकते हैं:
i) उन्नत डेटा विश्लेषण
ii) प्रचुर डेटा विश्लेषण
iii) डेटा विज्ञान के लिए पायथन
iv) डेटा विज्ञान के उद्योग अनुप्रयोग
v) सेमेस्टर भर की परियोजना

इन पाठ्यक्रमों में उद्योग और शिक्षा जगत के विशेषज्ञों द्वारा पढ़ाना भी शामिल है। इन सेमेस्टरों में 8 क्रेडिट होते हैं और यह कार्य डेटा विज्ञान से जुड़े उद्योगों में किया

जाना चाहिए। इस प्रकार, कुल मिलाकर, डेटा विज्ञान में विशेषज्ञता चुनने वाले छात्र को डेटा विज्ञान में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. की डिग्री प्राप्त करने के लिए 14 अतिरिक्त क्रेडिट लेने होंगे।

साइबर भौतिक प्रणाली / IoT और स्वायत्त प्रणालियों में विशेषज्ञता

साइबर भौतिक प्रणाली (CPS) भौतिक प्रक्रियाओं, वायरलेस नेटवर्किंग और व्यापक कंप्यूटिंग का एक संयोजन है। भौतिक प्रक्रियाओं की निगरानी विभिन्न सेंसरों द्वारा की जाती है और फिर नेटवर्किंग के माध्यम से संचार करके एक स्वचालित फीडबैक-आधारित एम्बेडेड नियंत्रण प्रणाली बनाई जाती है। स्वचालित/स्मार्ट प्रणालियों को डेटा विश्लेषण, मशीन लर्निंग और पैटर्न पहचान के तकनीकी अमूर्तन के माध्यम से डेटा बिंदुओं से मॉडल किया जाता है।
पिछले 3-5 वर्षों में, इस क्षेत्र में काम करने वाली और तकनीकी अवसर प्रदान करने वाली कंपनियों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। इस संबंध में, विनिर्माण और इलेक्ट्रॉनिक-आधारित उद्योगों में बड़ी संख्या में अनुप्रयोगों को देखते हुए, आईआईआईटी श्री सिटी ने सीपीएस में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. पाठ्यक्रम शुरू किया है। आईआईआईटी श्री सिटी भारत का पहला आईआईआईटी और उन कुछ विश्वविद्यालयों में से एक है जो बीटेक छात्रों के लिए इस तरह की विशेषज्ञता प्रदान करता है। यह एक अंतःविषय कार्यक्रम है जो छात्रों को आवश्यक तकनीकी कौशल के अगले चरण के लिए प्रशिक्षित और तैयार करेगा। साइबर फिजिकल सिस्टम विशेषज्ञता के साथ ईसीई में बी.टेक. की डिग्री के लिए, वर्तमान अंतिम वर्ष के छात्रों को 156 क्रेडिट पूरे करने होंगे। ऑनर्स के साथ बी.टेक के छात्रों को 164 क्रेडिट पूरे करने होंगे। इसके अतिरिक्त, छात्र साइबर फिजिकल सिस्टम में विशेषज्ञता के हिस्से के रूप में अभ्यास-उन्मुख शिक्षा के साथ निम्नलिखित पाठ्यक्रमों का विकल्प चुन सकते हैं:

i) इंटरनेट ऑफ थिंग्स
ii) इंटेलिजेंट और स्वायत्त प्रणालियाँ
iii) डिजिटल ट्विन्स: अवधारणाएँ और अनुप्रयोग
iv) सेमिनार पाठ्यक्रम
v) सेमेस्टर भर की परियोजना

इन पाठ्यक्रमों में उद्योग और शिक्षा जगत के विशेषज्ञों द्वारा पढ़ाना भी शामिल है। इन सेमेस्टरों में 4 क्रेडिट होते हैं और यह कार्य साइबर भौतिक प्रणालियों से जुड़े उद्योगों में किया जाना चाहिए। इस प्रकार, कुल मिलाकर, साइबर भौतिक प्रणाली

विशेषज्ञता चुनने वाले छात्र को साइबर भौतिक प्रणाली में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. की डिग्री प्राप्त करने के लिए 14 क्रेडिट अतिरिक्त लेने चाहिए।

लक्ष्यों की ओर बढ़ते हुए संस्थान अब मास्टर पाठ्यक्रम के लिए एक सीपीएस/आईआईओटी प्रयोगशाला स्थापित करनेवाला है, जिसमें हम श्री सिटी में हाई-टेक विनिर्माण उद्योगों के साथ सहयोग करेंगे।

अगली पीढ़ी के वायरलेस संचार में विशेषज्ञता

5G वायरलेस संचार तकनीक को उच्च मल्टी-Gbps पीक डेटा स्पीड, अल्ट्रा-लो लेटेंसी, अधिक विश्वसनीयता, बढ़ी हुई नेटवर्क क्षमता और समान उपयोगकर्ता अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। 5G, LTE पर आधारित होगा और कई स्वतंत्र रूप से विकसित तकनीकों, जैसे मैसिव MIMO, UWB, NOMA, आदि का एक संयोजन होगा; जिसमें एक विकसित पैकेट कोर और क्लाउड-आधारित रेडियो एक्सेस नेटवर्क होगा। 5G वायरलेस प्रणालियों की सफल तैनाती के लिए, प्रत्येक तकनीक को समझना और डिज़ाइन करना आवश्यक है, साथ ही उनका एक बुद्धिमान एकीकरण भी प्रदान करना आवश्यक है।

नेक्स्ट जेनरेशन वायरलेस कम्युनिकेशन विशेषज्ञता के साथ ईसीई में साधारण बी.टेक डिग्री के लिए, वर्तमान अंतिम वर्ष के छात्रों को 156 क्रेडिट लेने होंगे। बी.टेक ऑनर्स के छात्रों को 164 क्रेडिट पूरे करने होंगे।

इसके अतिरिक्त, छात्र निम्नलिखित पाठ्यक्रमों का विकल्प चुन सकते हैं जो अगली पीढ़ी के वायरलेस संचार में विशेषज्ञता के अंश के रूप में अभ्यास-उन्मुख शिक्षा के साथ प्रदान किए जाते हैं:

i) वायरलेस संचार
ii) उन्नत वायरलेस संचार
iii) 5G प्रौद्योगिकियाँ और अनुप्रयोग
iv) सेमिनार पाठ्यक्रम
v) सेमेस्टर लंबी परियोजना

इन पाठ्यक्रमों में उद्योग और शिक्षा जगत के विशेषज्ञों द्वारा पढ़ाना भी शामिल है। सेमेस्टर भर चलने वाले इस प्रोजेक्ट में 4 क्रेडिट होते हैं और यह कार्य उन उद्योगों में किया जाना चाहिए जो अगली पीढ़ी के वायरलेस संचार से जुड़े हैं। इस प्रकार, अगली पीढ़ी के वायरलेस संचार में विशेषज्ञता चुनने वाले छात्र को अगली पीढ़ी के वायरलेस संचार में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. की डिग्री प्राप्त करने के लिए कुल 14 क्रेडिट अतिरिक्त लेने चाहिए।

ऑनर्स प्रोग्राम के माध्यम से यूजी रिसर्च पर विशेष ध्यान

यूजी-रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए हमारे पास एक अनूठा ऑनर्स प्रोग्राम है, जिसमें छात्र किसी संकाय या संकाय समूह के अंतर्गत किसी विशेष क्षेत्र में 4 सेमेस्टर की अवधि तक काम कर सकते हैं। वे शोध प्रकाशन, बौद्धिक संपदा या सॉफ्टवेयर/हार्डवेयर उत्पाद तैयार करके अपनी ऑनर्स डिग्री प्राप्त करते हैं।

4.2 पीएचडी

आईआईआईटीएस प्रायोजित परियोजनाओं और विद्वत्तापूर्ण प्रकाशनों के माध्यम से किए गए शोध पर विशेष ध्यान केंद्रित करता है। आईआईआईटीएस का लक्ष्य आईटी शिक्षा, अनुसंधान और विकास के लिए एक विश्व स्तर पर जाना-माना संस्थान बनना है। संस्थान का विशेष ध्यान ऐसे प्रतिभाशाली संकाय सदस्यों को आकर्षित करने और बनाए रखने पर है जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षण और अनुसंधान में अपनी पहचान बना सकें। आईआईआईटीएस के वर्तमान संकाय सदस्य भारत और विदेश के अग्रणी विश्वविद्यालयों से हैं, जिनकी शिक्षण और अनुसंधान संबंधी उत्कृष्ट साख है। संस्थान निम्नलिखित पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है जो कंप्यूटिंग के सभी क्षेत्रों पर केंद्रित हैं:

- कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में पीएचडी
- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग में पीएचडी
- गणित एवं डेटा विज्ञान में पीएचडी

संस्थान ने जुलाई 2019 से उद्योग जगत और भारत सरकार के अनुसंधान प्रयोगशालाओं जैसे डीआरडीओ, इसरो आदि के कर्मियों के लिए अंशकालिक पीएचडी कार्यक्रम शुरू किया है।

पीएचडी. पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम की अवधि: पूर्णकालिक उम्मीदवारों के लिए पाठ्यक्रम पूरा करने की अधिकतम अवधि 6 वर्ष और अंशकालिक उम्मीदवारों के लिए 7 वर्ष है। पूर्णकालिक उम्मीदवारों को 4 वर्ष तक या थीसिस जमा करने की तिथि तक, जो भी पहले हो, छात्रवृत्ति दी जाएगी।

डॉक्टरल समिति

प्रत्येक डॉक्टरल समिति में निम्नलिखित सदस्य होते हैं : अध्यक्ष, अनुसंधान मार्गदर्शक, सह-मार्गदर्शक (यदि कोई हो), आंतरिक सदस्य (सीएसई), आंतरिक सदस्य

(ईसीई), उद्योग सह-मार्गदर्शक / उद्योग सदस्य, उद्योग / अनुसंधान प्रतिष्ठान से बाहरी सदस्य।

पाठ्यक्रम

शोधार्थियों को डॉक्टरल समिति द्वारा निर्धारित चार प्रासंगिक पाठ्यक्रम पूरे करने होंगे।

उद्योग इंटर्नशिप

पूर्णकालिक श्रेणी के अंतर्गत पीएचडी छात्रों को संपूर्ण पीएचडी कार्यक्रम के दौरान 4-6 महीने की अवधि के लिए शीर्ष स्तरीय बहुराष्ट्रीय कंपनियों और अनुसंधान संगठनों में उद्योग इंटर्नशिप के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

पाठ्यक्रम की प्रमुख विशेषताएँ:

- उद्योग-उन्मुख पीएचडी पाठ्यक्रम
- उद्योगों में ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप का अवसर
- पूर्णकालिक छात्रों के लिए वित्त पोषित पीएचडी कार्यक्रम
- अंशकालिक पीएचडी छात्रों के लिए लचीली उपस्थिति योजना
- अंशकालिक छात्रों के लिए पाठ्यक्रम पूरा करने हेतु परिसर में रहने की आवश्यकता नहीं
- डॉक्टरेट समिति में उद्योग विशेषज्ञ का समावेश
- भारत में होने वाले सम्मेलनों में भाग लेने में सहायता

4.3 शैक्षणिक निष्पादन

सेमस्टर	विषय	नामांकित छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	उत्तीर्णता का प्रतिशत
मानसून 2024	यूजी 1 पाठ्यक्रम	यूजी 1 - 413	369	89.35%
	असतत संरचनाएं और मैट्रिक्स बीजगणित कंप्यूटर प्रोग्रामिंग			
	डिजिटल लॉजिक डिज़ाइन			
	कंप्यूटर कार्यशाला का परिचय			
	अंग्रेजी			
	ऊर्जा और पर्यावरण			
	मानवीय मूल्यों और नैतिकता की नींव			
	यूजी 2 पाठ्यक्रम	यूजी 2 - 415	393	94.70%
	ऑब्जेक्ट ओरिएंटेड प्रोग्रामिंग			
	वास्तविक विश्लेषण, संख्यात्मक विश्लेषण और कलन			
	उन्नत डेटा संरचनाएं और एल्गोरिदम			
	डेटाबेस प्रबंधन तंत्र			
	ऑपरेटिंग सिस्टम			
	यंत्र अधिगम			
	सर्किट और नेटवर्क विश्लेषण			
	नियंत्रण प्रणालियाँ			
	अंतः स्थापित प्रणालियाँ			
	यूजी 3 पाठ्यक्रम	यूजी 3 - 317	312	94.00%
	फ्रेमवर्क संचालित फ्रंट-एंड विकास			
	क्लाउड कम्प्यूटिंग			
	ब्लॉक चेन प्रौद्योगिकियाँ और इसके अनुप्रयोग			
	कंप्यूटर विशन			
	साइबर सुरक्षा का परिचय			
	प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण			
	यंत्र अधिगम			
	सूचना की पुनर्प्राप्ति			
	डेटा खनन			
	कंप्यूटर ग्राफिक्स और मल्टीमीडिया			

	वीएलएसआई का परिचय			
	डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग			
	पैटर्न मान्यता			
	वायरलेस संचार			
	माइक्रोप्रोसेसर और माइक्रोकंट्रोलर			
	इलेक्ट्रॉनिक पैकेजिंग			
	साइबर भौतिक प्रणाली का परिचय			
	डेटा एनालिटिक्स का परिचय			
	मात्रात्मक और तर्क योग्यता - रोजगार के लिए कौशल			
	व्यक्तिगत विकास कार्यक्रम			
	क्वांटम सूचना और कंप्यूटिंग			
	यूजी 4 पाठ्यक्रम	यूजी4 - 321	305	95.01%
	क्वांटम कंप्यूटिंग के मूल सिद्धांत			
	आभासी और संवर्धित वास्तविकता			
	इंटरनेट ऑफ थिंग्स			
	डिजिटल सिस्टम डिज़ाइन			
	माइक्रोवेव इंजीनियरिंग और रडार सिस्टम			
	साइबर भौतिक प्रणाली का परिचय			
	डेटा एनालिटिक्स का परिचय			
	क्रिप्टोग्राफी			
	डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग			
	बिग डेटा एनालिटिक्स			
	सॉफ्ट कंप्यूटिंग और विकासवादी AI			
	सुदृढीकरण सीखना			
वसंत 2025	यूजी 1 पाठ्यक्रम	यूजी 1 - 407	375	92.13%
	संभाव्यता और सांख्यिकी			
	डेटा संरचनाएं और एल्गोरिदम			
	सिग्नल और सिस्टम			
	कंप्यूटर आर्किटेक्चर			
	बुनियादी इलेक्ट्रॉनिक सर्किट			
	परिचालन संचार			
	जलवायु परिवर्तन और इसके निहितार्थ			
	ऊर्जा और पर्यावरण			

	यूजी 2 पाठ्यक्रम	**यूजी2 - 413**	**385**	**93.22%**
	कंप्यूटर और संचार नेटवर्क			
	पूर्ण स्टैक विकास के मूल सिद्धांत			
	कृत्रिम होशियारी			
	गणना का सिद्धांत			
	कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ज्ञान प्रतिनिधित्व			
	गहन शिक्षण			
	डेटा विश्लेषण का परिचय			
	संचार के मूल सिद्धांत			
	विद्युतचुंबकीय और संचरण लाइनें			
	एनालॉग सर्किट			
	उन्नत संचार कौशल			
	क्वांटम सूचना और कंप्यूटिंग			
	व्यक्तिगत विकास कार्यक्रम			
	रोजगार के लिए नवाचार और उद्यमिता कौशल			
	स्नातक 3 पाठ्यक्रम	**यूजी3 - 317**	**280**	**88.32%**
	वेबसेवाएँ और बैकएंड विकास			
	वितरित कंप्यूटिंग			
	उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग			
	मल्टीमीडिया सिस्टम			
	संज्ञानात्मक कंप्यूटिंग			
	ग्राफ सिद्धांत और अनुप्रयोग			
	बायोइनफॉरमैटिक्स			
	इंटरनेट सुरक्षा			
	सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग के लिए एकीकृत दृष्टिकोण			
	डेटा खनन			
	रैखिक प्रोग्रामिंग और खेल सिद्धांत			
	गणितीय अनुकूलन तकनीकें			
	उन्नत डेटा विश्लेषण			
	डेटा विज्ञान के लिए पायथन			
	गहन शिक्षण			
	ऑप्टो नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स			
	माइक्रो सेंसर और एक्चुएटर्स			

	मॉडल आधारित सिग्नल विश्लेषण			
	बिजली के इलेक्ट्रॉनिक्स			
	हार्डवेयर विवरण भाषा			
	मस्तिष्क कंप्यूटर इंटरैक्शन			
	भूस्थानिक प्रौद्योगिकियां और अनुप्रयोग			
	बुद्धिमान और स्वायत्त प्रणाली			
	इंटरनेट ऑफ थिंग्स			
	व्यक्तिगत विकास कार्यक्रम			
	नवाचार और उद्यमिता			
	रोजगार के लिए कौशल			
	यूजी 4 पाठ्यक्रम	**यूजी4 - 321**	**309**	**96.26%**
	कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी			
	संपीड़ित डोमेन प्रसंस्करण			
	सिस्टम ऑन चिप			
	उन्नत वीएलएसआई			
	सॉफ्टवेयर परिभाषित नेटवर्क			
	सूचना सिद्धांत और कोडिंग			
	मैक्रोइकॉनॉमिक्स और निजी वित्त			

4.4 शैक्षणिक उपलब्धियाँ

पिछले 12 महीने आईआईआईटी श्री सिटी के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष रहा है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में संस्थान ने शैक्षणिक उत्कृष्टता के एक दशक का जश्न मनाया। इसे मनाने के लिए संस्थान ने छात्रों को विभिन्न शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग से प्रोत्साहित किया है। पहले चरण के रूप में स्नातकों के लिए एक पुरस्कार की योजना बनाई गई, जिसमें पहले, दूसरे या तीसरे साल में 9.0 और उससे ज़्यादा के सीजीपीए वाले सभी स्नातक छात्रों को स्वतंत्रता दिवस/गणतंत्र दिवस के अवसर पर 1000 रुपये का नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। दूसरा, स्नातक स्तर के अनुसंधान को सहयोग देने के लिए बी.टेक. हानर्स के हर छात्र को सम्मेलन पंजीकरण तथा प्रकाशन या प्रस्तुति हेतु यात्रा करने के लिए 10,000 रुपये दिए जाएंगे। यह विशेष रूप से अधिक से अधिक स्नातक छात्रों को ऑनर्स पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने और अंत में डीप-टेक कंपनियों में जाने या रिसर्च से पीएचडी/एमएस करने के लिए बढ़ावा देने हेतु रखा गया है। तीसरा, संस्थान के पीएचडी के हर छात्र को उनकी पीएचडी पढ़ाई के दौरान दो बार 15,000 रुपये की कॉन्फ्रेंस सपोर्ट दी जाएगी। इन कोशिशों से छात्रों के प्रकाशनों की संख्या में काफ़ी बढ़ोतरी हुई है। यही नहीं, आने वाले सालों में, इससे संस्थान के रिसर्च प्रोफ़ाइल में काफ़ी सुधार होगा। उल्लेखनीय बात यह है कि

इंस्टीट्यूट ने एक खास मैथ्स और डेटा साइंस ग्रुप शुरू किया है और फैकल्टी इस ग्रुप में शामिल हो गए हैं। वास्तव में, संस्थान में चलाए जाने वाले एआई व डीएस, बी.टेक. पाठ्यक्रम कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग और मैथ्स और डेटा साइंस की फैकल्टी द्वारा दिया जाने वाला एक मल्टी-डिसिप्लिनरी प्रोग्राम है। इसके अलावा, गैर-तकनीकी पाठ्यक्रमों को इस तरह ग्रुप किया गया है कि वे अभिव्यक्ति कौशल पर ध्यान दें और विशेष रूप से SEED यानी - रोजगार कौशल और उद्यमिता विकास पर ध्यान दे सकें।

4.5 दीक्षांत समारोह

2024-25 का वर्ष वास्तव में संस्थान के शैक्षणिक क्षेत्र में एक यादगार और महत्वपूर्ण वर्ष रहा है। सबसे उल्लेखनीय बात तो यह है कि हमने 2022 के बाद से जितने भी दीक्षांत समारोह लंबित थे, सभी को पूरा कर दिया। 2022 और 2023 बैच का दीक्षांत समारोह 26 अक्टूबर 2024 को हुआ, जबकि 2024 बैच का दीक्षांत समारोह 11 जनवरी 2025 को संपन्न हुआ। सीनेट के अनुमोदन से आगे से संबंधित सालों के लिए दीक्षांत समारोह अगस्त 2025 के पहले शनिवार को आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इसे ध्यान में रखते हुए 2025 बैच के यानी 9वें बैच का दीक्षांत समारोह 2 अगस्त 2025 को आयोजित किया गया। इस दीक्षांत समारोह में, पीएचडी के 9 छात्रों और स्नातक के 309 छात्रों को उपाधि प्रदान की गई। इन 309 छात्रों में से 228 छात्र सीएसई विभाग के हैं और 81 छात्र ईसीई विभाग के हैं। इसके अलावा, 309 छात्रों में से 16 छात्रों को रिसर्च ऑनर्स डिग्री मिली और 20 स्टूडेंट्स को एआईएमएल और डेटा साइंस में माइनर (या स्पेशलाइज़ेशन डिग्री) डिग्री मिली।

5. रोजगार और इन्टर्नशिप
(सम्मर इन्टर्नशिप और समेस्टर भर की परियोजनाएँ)

5.1 सम्मर इन्टर्नशिप

आईआईआईटी श्री सिटी के छात्रों को गर्मियों के अवकाश में इंटर्नशिप करने के लिए बहुत बढ़ावा दिया जाता है, चाहे वे किसी भी वर्ष संस्थान में प्रवेश लिए हों।

हालांकि यह सुनने में कुछ अजीब लग सकता है कि हम UG फर्स्ट ईयर के छात्रों को भी इंटर्नशिप करने के लिए बढ़ावा दे रहे हैं, लेकिन हमारा दृढ़ विश्वास है कि पहले साल से मिलने वाले उद्योग का अनुभव हमारे संस्थान के छात्रों को एक अच्छा करियर शुरू करने में बहुत मदद करेगा। इसलिए, हम छात्रों को प्रवेश लेते ही इन्टर्नशिप में चाहे वह वर्क-फ्रॉम-होम ही क्यों न हो, उसमें शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। हमारी दृढ़ धारणा है कि सीखने के हर एक पहलू को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए और पूरी लगन से किया जाना चाहिए। आईआईआईटी श्री सिटी में इंटर्नशिप इसी तरह का मील का पत्थर है।

हमारा पूरा ध्यान प्री-फाइनल वर्ष के छात्रों को समर इंटर्नशिप दिलाने पर है, क्योंकि यह

इंटर्नशिप प्री-प्लेसमेंट ऑफर के रूप में में बदलने का एक अच्छा अवसर है। प्लेसमेंट कार्यालय छात्रों को इंटर्नशिप दिलाने की पूरी कोशिश करता है और इसके लिए निम्नलिखित कार्य करता है:

- प्री-फ़ाइनल ईयर के छात्रों को इंटर्नशिप का अवसर दिलाने के लिए कंपनियों से नियमित रूप से संपर्क करते रहना।
- देराष्ट्र और अंतरराष्ट्र के स्तर पर होने वाली प्रतियोगिताओं और परीक्षाओं से अवगत कराना।
- कपरियोजना के लिए कंपनियों बातें करते रहना ताकि छात्र घर पर ही प्रोजेक्ट्स पूरे कर सकें और उन्हें अपने रिज़्यूमे में जोड़ सकें।
- छात्रों को अलग-अलग इंटरनेशनल इंटर्नशिप के मौकों के बारे में बताना।
- छात्रों को भारत और विदेश दोनों स्तरों के शैक्षणिक इंटर्नशिप करने को भी प्रोत्साहित किया जाता है। प्लेसमेंट कार्यालय भी छात्रों को ऐसे अवसर की व्यवस्था करता है कि वे कई के लिए आवेदन कर सकें।

Amazon, Couture, MotorQ, Commvault, NVidia आदि उनमें से ऐसी कंपनियाँ हैं जहाँ हमारे छात्रों ने पहले अपने हाई-एंड लीड प्रोजेक्ट्स में हिस्सा लिया था।

5.2 **सेमस्टर भर की परियोजनाएँ**

सेमस्टर भर की परियोजनाएँ हमारे संस्थान की खास और महत्वूर्ण कार्यकलापों में एक है। हमने इस कार्यकलाप में कई नई चीज़ें जोड़ी हैं ताकि छात्रों को इसका फ़ायदा मिले। इन परियोजना से छात्रों को कम से कम दो तरह से फ़ायदा मिलता है:

1. जो छात्र अपने सपनों की नौकरी चाहते हैं, वे कंपनियों के साथ सेमेस्टर भर के प्रोजेक्ट्स प्रोग्राम के लिए साइन-अप करते हैं, जिसमें उन्हें फुल-टाइम पोजीशन में बदलने का मौका मिलता है।

2. अक्सर भर्ती के लिए कैंपस आने वाली कंपनियां छात्रों को उसी कंपनी में फुल-टाइम पोजीशन पर आने से पहले इंटर्न के तौर पर जॉइन करने का मौका भी देती हैं। इसलिए, छात्र धीरे-धीरे छात्र की भूमिका से फुल-टाइम काम करने वाले के रूप में बदल जाते हैं।

छात्रों को इन प्रोजेक्ट्स के लिए आठ क्रेडिट मिलते हैं और हम उनकी कड़ी समीक्षा करते हैं। जिन छात्रों ने सिर्फ़ सेमेस्टर-भर के प्रोजेक्ट को चुना था, उनका मूल्यांकन इंडस्ट्री मेंटर दो बार और इंस्टीट्यूट फैकल्टी मेंटर दो बार करेंगे। दो फैकल्टी मेंबर्स की एक टीम अंतिम मूल्यांकन करती है, जिसमें इंटरनल फैकल्टी मेंटर भी शामिल होता है।

वर्ष 2023 के सेमेस्टर भर के प्रोजेक्ट्स से संबंधित आंकड़े नीचे प्रस्तुत है :

सेमेस्टर भर के प्रोजेक्ट्स करने वाले छात्रों की संख्या	234
इंटर्नशिप की अवधि	4 से 6 महीने
इंटर्नशिप के लिए वृत्तिका	रु. 25,000 से रु. 1,60,000 तक

5.3 **कैंपस प्लेसमेंट**

इस साल बी.टेक. प्लेसमेंट एक रचनात्मक और व्यवस्थित रूप से शुरू हुआ। हम लगभग 93.4% छात्रों को नौकरी दिलाने में सफल रहे। कैंपस प्लेसमेंट अगस्त 2024 के पहले हफ़्ते में शुरू हुआ और रिक्रूटमेंट के लिए कैंपस आने वाली कंपनियों ने सीएसई और ईसीई दोनों विभागों के छात्रों का चयन किया। छात्र बहुत उत्साहित थे, क्योंकि इसीसी उनकी कैरियर की शरुआत होती है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में हमारे छात्रों को मिले पैकेजों में सबसे अधिक डोमेस्टिक पैकेज रुपए 1.2 करोड़ था। हमने 2025 बैच के लिए 93.4% प्लेसमेंट हासिल किया है। आईआईआईटी श्री सिटी ज़्यादातर प्रोडक्ट-ओरिएंटेड कंपनियों को आमंत्रित करता है और प्लेसमेंट के लिए आने वाली कंपनियों की विविधता छात्रों की ज़रूरतों को पूरा करती है। हमारे छात्रों को डार्विनबॉक्स, टेकियन, मर्कलसाइंस, मोटरक्यू वगैरह जैसे कई डीप-टेक स्टार्टअप्स में रिक्रूट किया गया है।

प्लेसमेंट के लिए छात्र की तैयारी

यह संस्थान स्नातक छात्रों को AI & ML, साइबर सिक्योरिटी, साइबर-फिजिकल सिस्टम्स जैसे क्षेत्रों में स्पेशलाइजेशन देता है और आने वाले वर्षों में और भी स्पेशलाइजेशन शामिल होंगे। इसके अलावा, हमारे स्टूडेंट्स को सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट इंजीनियरिंग, कंप्यूटर विज़न, डेटा एनालिटिक्स, IoT, वायरलेस कम्युनिकेशन, स्मार्ट ट्रांसपोर्टेशन, और दूसरे क्षेत्रों में भी विशेषज्ञता प्राप्त है।

कंपनियों के प्लेसमेंट के लिए कैंपस आने से पहले, स्टूडेंट्स एप्टीट्यूड और रीज़निंग, एडवांस्ड कम्युनिकेशन स्किल्स और कॉम्पिटिटिव प्रोग्रामिंग जैसे कोर्स से अपनी सॉफ्ट स्किल्स को

बेहतर बनाते हैं। यह बताना ज़रूरी है कि स्टूडेंट्स को पढ़ने, लिखने, सुनने और बोलने में ज़रूरी लेवल तक लाने के लिए कम्युनिकेशन स्किल्स को पहले दो सालों में चार कोर्स के सेट के तौर पर पढ़ाया जा रहा है।

हम स्टार्टअप्स में अहम भूमिका निभाने के लिए खास योग्यता और कौशल वाले स्नातकों को तैयार करने पर भी ज़ोर देते हैं। छात्रों को अलग-अलग नौकरी क्षेत्र के लिए तैयार करने के अलावा, आईआईआईटी श्री सिटी का पाठ्यक्रम उन स्टूडेंट्स के लिए भी है जो एंटरप्रेन्योर्स और स्टार्टअप्स और स्मॉल बिज़नेस मैनेजमेंट जैसे कोर्स के साथ अपनी खुद की कंपनी शुरू करना चाहते हैं। छात्र अपने खुद का स्टार्टअप बनाना सीखने के अलावा स्टार्टअप्स के माहौल को भी समझते हैं। इसके अलावा, छात्रों के इनोवेटिव स्टार्टअप्स को सहयोग देने के लिए, आईआईआईटी श्री सिटी ने इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से शुरुआती फंडिंग के साथ ज्ञान सर्किल वेंचर्स नाम का टेक्नोलॉजी बिज़नेस इनक्यूबेटर शुरू किया है।

विशेष बात यह है कि हमारे छात्रों को DBS बैंक, इंफोसिस, NVidia, TCS, IBM, नेशनल इंस्ट्रूमेंट्स वगैरह जैसी कई अंतरराष्ट्रीय कंपनियों में सेमेस्टर भर के इंडस्ट्री इंटर्नशिप और नौकरी भी मिली हैं।

प्लेसमेंट के लिए संस्थान की तैयारी

आईआईआईटी श्री सिटी अपने अनुसंधान के लिए औद्योगिक संस्थानों के संपर्क में हमेशा रहता है। संस्थान नियमित रूप से औद्योगिक संस्थानों के संकायों को इंडस्ट्री-ओरिएंटेड कोर्स पढ़ाने के लिए लाता है। संस्थान उद्योग के कर्मियों के साथ साझेदारी करके हर साल कई कार्यशालाओं का आयोजन भी करता है। इन कार्यकलापों से इंडस्ट्री और इंस्टीट्यूट का रिश्ता और मज़बूत होता है और संस्थान को उन कंपनियों में छात्रों को प्लेसमेंट मिलने का फ़ायदा मिलता है जिनसे संस्थान का संपर्क बना रहता है।

आईआईआईटीएस में निदेशक के नेतृत्व में संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों के एक ग्रुप के साथ प्लेसमेंट और ट्रेनिंग के लिए एक रचनात्मक और सुव्यवस्थित कार्य होता रहता है। संस्थान द्वारा प्राथमिकता दिए जाने वाले क्षेत्रों में प्लेसमेंट भी एक है और इसके लिए आवश्यक मानवशक्ति यानी कर्मचारी और अन्य स्रोत पर्याप्त मात्रा में है। उदाहरण के लिए, प्लेसमेंट चेयर, ट्रेनिंग और प्लेसमेंट ऑफिसर और स्टूडेंट प्लेसमेंट कोऑर्डिनेटर इत्यादि।

आईआईआईटी श्री सिटी आने वाली कंपनियाँ

कैंपस प्लेसमेंट अगस्त 2024 के पहले हफ़्ते में शुरू हुआ और रिक्रूटमेंट के लिए कैंपस आने वाली कंपनियों ने न सिर्फ़ CSE और ECE बैच के छात्रों का चयन किया, बल्कि ये कंपनियाँ

अलग-अलग क्षेत्रों की भी थीं: मल्टीनेशनल कंपनियाँ, सफल स्टार्टअप, कटिंग-एज टेक्नोलॉजी वाली कंप्यूटर साइंस कंपनियाँ, और कोर ECE कंपनियाँ। हमारे कुछ मल्टीनेशनल रिक्रूटर कंसल्टिंग, ई-कॉमर्स, हाई-टेक, हॉस्पिटैलिटी और हेल्थ केयर जैसे उद्योगों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

आईआईआईटी श्री सिटी में ज़्यादातर उत्पाद पर ध्यान देने वाली कंपनियाँ आती हैं और प्लेसमेंट के लिए आने वाली कंपनियों की विविधता छात्रों की ज़रूरतों को पूरा करती है। आईआईआईटी श्री सिटी आने वाली कंपनियों में बड़ी-बड़ी अंतरराष्ट्रीय कंपनियाँ, बड़ी-बड़ी सर्विस पर ध्यान देने वाली कंपनियाँ (ये कंपनियाँ प्रोडक्ट रोल पोजीशन के लिए नौकरी देती हैं), प्रसिद्ध स्टार्ट-अप्स, कोर कंपनियाँ आदि शामिल हैं।

6. छात्र विकास गतिविधियाँ

सामाजिक गतिविधियाँ: एनएसएस और यूबीए गतिविधियाँ

एन.एस.एस. गतिविधियाँ

स्वतंत्रता दिवस 2024: आईआईआईटी श्री सिटी में 15 अगस्त 2024 को नेशनल सर्विस स्कीम सेल ने स्वतंत्रता दिवस समारोह का शानदार आयोजन किया। इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य छात्रों के मन में भारत के नागरिक होने का गर्व और देशभक्ति की भावना जगाना था तथा सामाजिक सेवा करते हुए देश की एकता में योगदान देना था।

स्वच्छ कैंपस: आईआईआईटी श्री सिटी में नेशनल सर्विस स्कीम (NSS) ने संस्थान के परिसर में सफाई और स्वस्थ माहौल को बनाए रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए अनेक गतिविधियों का आयोजन किया। इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य छात्रों के मन में साफ और हरा-भरा कैंपस माहौल बनाए रखने की ज़िम्मेदारी की भावना पैदा करना था। स्वच्छ कैंपस एक्टिविटी का लक्ष्य यह भी था कि छात्रों के मन में सफाई के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना और परिसर को साफ रखने में छात्रों की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देना था। इनके अलावा, उक्त गतिविधियों का लक्ष्य छात्रों में अपने परिसर के प्रति स्वामित्व और गर्व की भावना भी पैदा करना था।

कैंपस सफाई अभियान: एनएसएस के स्वयंसेवकों ने कैंपस सफाई अभियान का आयोजन किया, जिसमें छात्रों और संकाय सदस्यों ने मिलकर कैंपस के अलग-अलग क्षेत्रों जैसे कक्षा कक्ष, कॉरिडोर, लॉन और अन्य स्थानों की सफाई की।

संकायों और कर्मचारियों द्वारा वृक्षारोपण

सफाई और वृक्षारोपण अभियान

रक्त-दान अभियान

कुल 200 यूनिट का संग्रह किया गया।

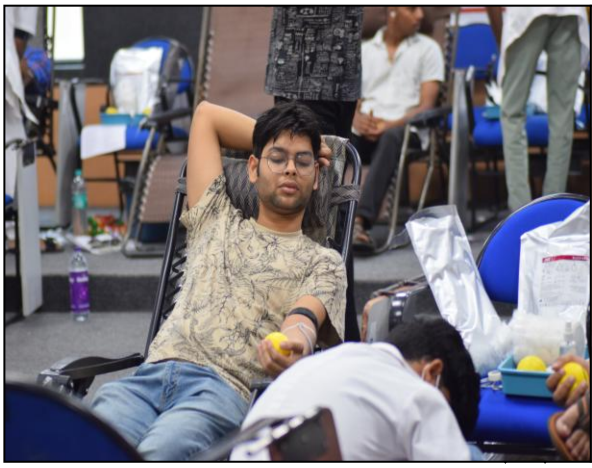

LG
Life's Good.

f/Stops.

IIIT SRI CITY
WELCOME
GUEST
f/Stops.

IIIT SRI CITY
WELCOME
f/Stops.

WELCOME
GUEST
f/Stops.

राष्ट्रीय युवक दिवस

शारीरिक शिक्षा और खेल

6.2 अंतरराष्ट्रीय योग दिवस - 21 जून 2024

योग करने से मिलने वाले विभिन्न लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 21 जून को दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। इसका सुझाव माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा दिया गया था और इसको स्वीकार करते हुए हर साल 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। यह योग करने के अलग-अलग फ़ायदों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक ग्लोबल प्लेटफ़ॉर्म के तौर पर काम करता है। यह एक पुराना प्रचलन है जो भारत में शुरू हुआ और बाद में अपने बौद्धिक, शारीरिक और आध्यात्मिक फ़ायदों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध हुआ है। योग में स्वास्थ्य और सद्भाव को बढ़ावा देने वाले विभिन्न आसन, ध्यान के तरीके, प्राणायाम भी शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2023 की थीम संयुक्त राष्ट्र (UN) ने तय की है। हर साल, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस एक खास थीम पर होता है जो योग के एक खास पहलू पर प्रकाश डालता है और समाज पर इसके महत्व और असर पर ज़ोर देता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2024 की थीम है "महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए योग।" आई.आई.आई.टी. श्री सिटी में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2024 का आयोजन खेलकूद कार्यालय द्वारा एन.एस.एस. सेल के साथ मिलकर किया गया। इस आयोजन का प्रमुख लक्ष्य सरकारी स्कूल के छात्रों में योग अभ्यास को बढ़ावा देना है। छात्रों के बीच योग के फ़ायदों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए इसमें आई.आई.आई.टी श्री सिटी के सभी कर्मचारियों को भी भाग लेने के लिए बुलाया गया है।

क) स्पेक्ट्रा स्पोर्ट्स लीग 2024

श्री सिटी चित्तूर की सालाना स्पोर्ट्स लीग है - स्पेक्ट्रा। सभी यूजी छात्रों को चार हाउसों में बांटा जाता है और वे संस्थान में आयोजित होने वाले खेलकूद गतिविधियों और प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं। कार्यक्रमों के अंत में ओवरऑल चैंपियनशिप निर्धारित की जाती है।

आयोजन का लक्ष्य और उद्देश्य:

1. स्पेक्ट्रा स्पोर्ट्स लीग का मुख्य लक्ष्य संस्थान में विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन करना, खेल भावना को बढ़ावा देना, कैंपस में छात्रों में बेहतर तालमेल, समझ और आपसी मेल-झोल को बढ़ावा देना और उनके बीच एक मजबूत रिश्ता बनाना है।

2. छात्रों को न केवल खेलकूद और शारीरिक गतिविधियों बल्कि वास्तविक जीवन के हालात को संभालने में भी ज़रूरी कुशल विकसित करना।

3. आईआईआईटी श्री सिटी में खेलकूद के स्तर को बढ़ाना और आईआईआईटी श्री सिटी के छात्रों में खेलकूद के ज़रिए चरित्र और मूल्य को बढ़ावा देने की कोशिश करना, जिससे इंटर आईआईआईटी स्पोर्ट्स मीट और दूसरे स्पोर्ट्स टूर्नामेंट के खेलों में योगदान दिया जा सके।

4. खेलकूद और उससे संबंधित अन्य गतिविधियों के आयोजन से जुड़े मामलों पर विचार-विमर्श करना जो इंटर हाउस स्पोर्ट्स मीट के लक्ष्यों और उद्देश्यों से मेल खाते हों, जैसा कि पहले बताया गया है।

5. छात्रों को खेलकूद के माहौल में शामिल होने का ज़्यादा से ज़्यादा मौका देना।

हाउस

1.अस्त्र 2. चक्र 3. त्रिशूल 4. वज्र

ख. आईआईटी तिरुपति में संयोग स्पोर्ट्स टूर्नामेंट:

आईआईआईटी श्री सिटी ने संयोग स्पोर्ट्स टूर्नामेंट में हिस्सा लिया, जिसे आईआईटी तिरुपति ने 28 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2024 तक आयोजित किया था। 'संयोग' तिरुपति के पास के सभी इंजीनियरिंग कॉलेजों के लिए आयोजित एक इंटरकॉलेजिएट स्पोर्ट्स मीट है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान, आईआईआईटी श्री सिटी ने पुरुषों और महिलाओं दोनों के बैडमिंटन, पुरुषों के वॉलीबॉल, पुरुषों के क्रिकेट और पुरुषों के टेबल टेनिस प्रतियोगिताओं में भाग लिया। टीम ने पुरुषों के टेबल टेनिस और फुटबॉल में दूसरा स्थान हासिल किया। दुर्भाग्य से, बारिश की वजह से क्रिकेट टूर्नामेंट रद्द हो गया, जबकि हमारी टीम दो मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुँच गई थी। आईआईआईटी श्री सिटी के कुल 70 छात्रों ने इस टूर्नामेंट में भाग लिया।

ग) इंटर आईआईआईटी स्पोर्ट्स मीट, स्थान: एबीवी आईआईआईटी ग्वालियर

7. शिक्षण / गैर-शिक्षण कर्मचारी

7.1 संकाय

आज की और भविष्य की जियो-सोशियो-इकोनॉमिक ज़रूरतों को पूरा करने की दृष्टि से हम विश्व स्तर के उन संकायों की भर्ती करने की बात पर ज़ोर देते हैं जो शिक्षण और अनुसंधान दोनों में निपुण हों।

यहाँ के संकाय सदस्य विश्व के प्रतिष्ठितम संस्थानों के पीएचडी डिग्रीधारी हैं। उन्हें कम से कम तीन साल का पोस्ट-डॉक्टरल का अनुभव भी है और विश्व स्तर पर उनकी प्रतिष्ठा भी है। उनके लेख विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हैं। इसी प्रकार उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कार्यशालओं को आयोजित करने तथा भाग लेने का अनुभव भी है।

क्रम सं.	नाम	पद का नाम	विभाग
1	डॉ. राजेंद्र प्रसाद	सह - प्राध्यापक	सीएसई
2	डॉ. विश्वनाथ पुलाबैगरी	सह - प्राध्यापक	सीएसई
3	डॉ. ओडेलु वंगा	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
4	डॉ. मृण्मय घोराई	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
5	डॉ नेहा अग्रवाल	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
6	डॉ. पीयूष जोशी	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
7	डॉ निखिल त्रिपाठी	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
8	डॉ. हिमांशु सरमा	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
9	डॉ. गिरीश जी.एन.	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
10	डॉ. पी.वी. अरुण	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
11	डॉ. श्रीजा एसआर	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
12	डॉ. अन्नुश्री बबलानी	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
13	डॉ. भीमप्पा हलावर	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
14	डॉ. अरिजीत रॉय	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
15	डॉ राकेश कुमार सनोडिया	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
16	डॉ. शथाना	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
17	डॉ. प्रियंबदा सुबुधि	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
18	डॉ.एस.मणिप्रिया	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
19	डॉ. चंद्र मोहन डी	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
20	डॉ. पवन कुमार बीएन	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
21	डॉ. कमलाकांत सेठी	सहायक प्रोफेसर	सीएसई

22	डॉ. वी.रमेश कुमार	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
23	डॉ. अमिलपुर संतोष	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
24	डॉ बुल्ला राजेश	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
25	डॉ. कार्तिक सूत्रधार	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
26	डॉ. डी. मल्लिकार्जुन रेड्डी	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
27	डॉ. अभिषेक हाजरा	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
28	डॉ. लोकेंद्र चौहान	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
29	डॉ के. शिव प्रसाद	सह - प्राध्यापक	ईसीई
30	डॉ. हृषिकेश वेंकटरमण	सह - प्राध्यापक	ईसीई
31	डॉ. अनीश चंद तुरलापती	सह - प्राध्यापक	ईसीई
32	डॉ. कंडीमल्ला दिव्यब्रह्म	सहायक प्रोफेसर	ईसीई
33	डॉ राजा वर प्रसाद येरा	सहायक प्रोफेसर	ईसीई
34	डॉ अचिंत्य कुमार सरकार	सहायक प्रोफेसर	ईसीई
35	डॉ प्रियंका द्विवेदी	सहायक प्रोफेसर	ईसीई
36	डॉ राजीव कुमार	सहायक प्रोफेसर	ईसीई
37	डॉ. ई.पॉल ब्रेनार्ड	सहायक प्रोफेसर	ईसीई
38	डॉ. मैनाक ठाकुर	सहायक प्रोफेसर	गणित और डेटा विज्ञान

7.2 प्राध्यापक

क्रम संख्या	नाम
1	डॉ. आर. सेल्वी
2	श्री के. विनय कुमार
3	श्रीमती श्रीवल्ली किरणमयी (अंशकालिक)

7.3 विजिटिंग फैकल्टी

क्रम सं.	संकाय का नाम	पाठ्यक्रम का नाम
1	आर्ट ऑफ लिविंग ट्रस्ट (TAOL) का प्रतिनिधित्व TAOL ट्रस्ट के संस्थागत कार्यक्रमों के निदेशक श्री राजीव नंबियार	मानवीय मूल्यों और नैतिकता की नींव

2	डॉ. श्रीमति वेंकटरमण	संचार कौशल
3	डॉ. जोस एम.एफ.	व्यक्तिगत विकास कार्यक्रम
4	श्रीमती शबाना इमरान खान	मात्रात्मक योग्यता और तर्क
5	श्री रवि तिलकन	रोज़गार के कौशल (2 सत्र)
6	डॉ. पंकज कुमार	विकास के लिए आईसीटी
7	प्रो. रूबेन सुधाकर	ऊर्जा और पर्यावरण (2 सत्र)
8	श्री सतीश मेदापति	इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप (2 सत्र)
9	डॉ. बृजेश कुमार मिश्रा	क्वांटम सूचना और कंप्यूटिंग
10	श्री सिद पन्नीर सेल्वम	स्टार्टअप 101: प्रोडक्ट मार्केट फिट

7.4 कर्मचारी

क्रम सं.	नाम	पद का नाम
1	इवानी वीएसएसआर सोमयाजुलु	प्रबंधक, कुलसचिव कार्यालय
2	डी. हरिकृष्णम राजू	सहायक प्रबंधक (क्रय)
3	बी.महेश	प्रशासनिक सहायक
4	ए. सुनीता	सहायक प्रबंधक (शैक्षिक)
5	एम. सुकीर्ति व्यास	सहायक-शैक्षिक
6	पी. गोपी	बहु-कुशल प्रशिक्षु
7	जी. मुरली कृष्णन	पुस्तकालय सहायक
8	एम. तिरिपालु	सहायक (लेखा)
9	डी. सुनील	सहायक (एफ एंड ए)
10	वी. मुनि महेश	बहु-कुशल प्रशिक्षु
11	उदयपुरम तुलसीदास	शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षक
12	एस. ज्योति रानी	सहायक प्रबंधक, ईसी प्रयोगशाला
13	एक कोरियाई	इंजीनियर, ईसी प्रयोगशाला
14	एम.सुरेश रेड्डी	प्रयोगशाला तकनीशियन-ईसी प्रयोगशाला
15	के. धरणी	प्रयोगशाला तकनीशियन-ईसी प्रयोगशाला

16	कोटीश्वर राव बी	इंजीनियर, सीएसई प्रयोगशाला
17	जी. मदन कुमार	नेटवर्क व्यवस्थापक
18	डी. रामकृष्ण	आईटी सिस्टम एडमिन
19	चौधरी गांधी	स्थल अभियान्ता
20	एम.सोहेलु	सहायक प्रबंधक (परियोजना प्रबंधन-निर्माण)
21	जी.माधवी	केयरटेकर (गर्ल हॉस्टल) मल्टी-स्किल्ड इंटर्न
22	के.मुनिरत्नम्मा	केयरटेकर - गर्ल्स हॉस्टल
23	बी.सुरेश	कार्यालय सहायक
24	पी.संबाचारी	इलेक्ट्रीशियन
25	एस. किशोर	इलेक्ट्रीशियन

7.5 सलाहकार

क्रमसं.	नाम	पद का नाम
1	श्री जी. तिरुनावुक्करसु	वरिष्ठ परियोजना प्रबंधक
2	एम मिचायेलु	प्रशिक्षण और प्लेसमेंट अधिकारी
3	पी. कृष्णमूर्ति	प्रबंधक (अनुसंधान और टीबीआई)
4	पवन कुमार एमवीएनआर	प्रशिक्षण और प्लेसमेंट अधिकारी
5	पूर्ण चंद्र पी	परियोजना प्रबंधक

8. अनुसंधान और विकास

अनुसंधान एवं विकास

अप्रैल 2024 से मार्च 2025 के दौरान संकायों ने स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों और अन्यों से मिलकर 14 जर्नल पेपर का प्रकाशन किया। इसमें ज्यादातर का प्रकाशन अंतरराष्ट्रीय पत्रिका जैसे एल्सेवियर, IEEE ट्रांज़ैक्शन, न्यूरल कंप्यूटिंग एंड एप्लीकेशंस, IEEE सेंसर्स लेटर्स, द जर्नल ऑफ़ सुपरकंप्यूटिंग, न्यूरोकंप्यूटिंग , न्यूरल नेटवर्क्स, जर्नल ऑफ़ क्लीनर प्रोडक्शन, IEEE इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स जर्नल, ISPRS जर्नल ऑफ़ फ़ोटोग्रामेट्री एंड रिमोट सेंसिंग में हुए हैं। खास बात यह है कि इस समय में संकाय सदस्यों और छात्रों ने 27 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुति दी है। इसके अलावा, इस वर्ष के दौरान 3 इंडियन पेटेंट भी फाइल किए गए हैं।

8.1 अनुसंधान प्रकाशन

पत्रिकाओं में प्रकाशन

1. एच.सी. पिच्छिका, पी. सुबुधी और आर.वी.पी. येरा , ""एक्सटेंडेड कलमन फ़िल्टर बेस्ड ट्रैकिंग मेथड फॉर एक्यूरेट फ्रूट यील्ड एस्टिमेशन प्रिजर्विंग SE(3) इक्विवेरिएंस ""; IEEE ट्रांजैक्शन्स ऑन एग्रीफूड इलेक्ट्रॉनिक्स में, 23 दिसंबर 2024 doi : 10.1109/TAFE.2024.3513637
2. एच.सी. पिच्छिका , पी. सुबुद्धि और येरा , RVP पेड़ पर आम का पता लगाना और अटेंशन-एन्हांस्ड मैंगो YOLO5 और XG Boost रिग्रेशन का इस्तेमाल करके साइज़ का अनुमान लगाना। फ़ूड मेज़र (2025).30 जनवरी 2025 वॉल्यूम 19, पेज 2333-2349, (2025) https://doi.org/10.1007/s11694-025-03114-y
3. एच.सी. पिच्छिका, हरि चंदना और राजा वर प्रसाद येर्रा । " मल्टी-मोडल और मल्टी-सेंसर एन्सेम्बल लर्निंग का उपयोग करके UAV- आधारित जल प्रदूषक पहचान और वर्गीकरण फ़्रेमवर्क" पर्यावरण निगरानी और मूल्यांकन। 2025 मई 9;197(6):643. doi : 10.1007/s10661-025-14104-4.
4. एच. सी. पिच्छिका, हरि चंदना , प्रियंबदा सुबुधी और राजा वर प्रसाद येरा । "सटीक उपज अनुमान के लिए बेहतर YOLO-आधारित आम का पता लगाना और सेंट्रोइड ट्रैकिंग" एप्लाइड फ्रूट साइंस में। 2025-06-06 DOI:10.1007/s10341-025-01385-9
5. ऋषिकेश वेंकटरमन, राजा वारा प्रसाद वाई, जसवंत निदामनुरी , आदित्य वी दित्ताकवि और अन्य। DTMA : रोबोटिक आर्म के साथ डिजिटल ट्विन के लिए

विज़ुअल ऑब्जेक्ट इंस्पेक्शन और मैकेनिज़्म, सिग्नल, इमेज और वीडियो प्रोसेसिंग, स्प्रिंगर में पब्लिकेशन के लिए स्वीकार किया गया"
6. बालाजी टी.के., बबलानी ए., श्रीजा एस.आर. और मिसरा , एच. (2025), TOPS: हाइब्रिड डीप लर्निंग आधारित D2CL फ़िल्टर का उपयोग करके प्रोडक्ट रिव्यू के भरोसेमंद राय विश्लेषण के लिए एक फ्रेमवर्क। एक्सपर्ट सिस्टम्स, विली। 42: e13765. https://doi.org/10.1111/exsy.13765. अक्टूबर 2024
7. नरेंद्र सिंह यादव और के. मुखर्जी, \नॉन-होमोजेनस बाउंड्री कंडीशंस के साथ सिंगुलरली पर्टर्ब्ड 2D सेमीलीनियर पैराबोलिक PDEs के हायर-ऑर्डर एप्रोक्सिमेशन का कन्वर्जेंस एनालिसिस,"" एप्लाइड न्यूमेरिकल मैथमेटिक्स, वॉल्यूम 206, पेज 210{246, 2024. DOI: 10.1016/j.apnum.2024.08.001
8. मुनमुन स्वैन, निखिल त्रिपाठी , कमलाकांता सेठी , MQTT के खिलाफ DoS हमलों का पता लगाने के लिए कम्युनिकेशन सीक्वेंस की गड़बड़ियों की पहचान करना , कंप्यूटर और सिक्योरिटी, वॉल्यूम 157,2025, 104526, ISSN 0167-4048, https://doi.org/10.1016/j.cose.2025.104526
9. आर. इमांडी, ए. रॉय, कमलाकांता सेठी, PBN कुमार और एम. गुइज़ानी , ""कॉन-फॉग: IoT एप्लीकेशन के लिए FU-सर्व प्लेटफॉर्म में कंसेंसस-ड्रिवन फॉग नोड सिलेक्शन ,"" IEEE इंटरनेट ऑफ थिंग्स जर्नल में, वॉल्यूम 12, नंबर 13, पेज 24686-24697, 1 जुलाई 1, 2025, doi : 10.1109/JIOT.2025.3557858. "
10. एस.आर.एन. किशोर, एस. मंडल, और एम. ठाकुर, M. (2025). डोमेन-इन्फॉर्म्ड मल्टी-स्टेप विंड स्पीड फोरकास्टिंग: एक्सट्रीम विंड कंडीशंस और सीज़नल बदलावों का मूल्यांकन। अर्थ साइंस इंफॉर्मेटिक्स 18(1), 79. [पब्लिश्ड, इम्पैक्ट फैक्टर: 2.7] DOI : https://doi.org/10.1007/s12145-024-01493-2
11. कुसुरु , डी., तुर्लापती , एसी, और ठाकुर, एम. (2024). स्ट्रेंथ ट्रेनिंग से जुड़े बाइवेरिएट सरफेस ईएमजी सिग्नल के लिए एक बेहतर कंपाउंड गॉसियन मॉडल । IEEE ट्रांजैक्शन्स ऑन ह्यूमन-मशीन सिस्टम्स। [पब्लिश्ड, इम्पैक्ट फैक्टर: 3.5] DOI : 10.1109/THMS.2024.3486450
12. मंडल एस., बोपानी एस, दसारी वी, और ठाकुर एम. (2024). यूनिफाइड स्पेक्ट्रो - स्पेशियल ग्राफन्यूरल नेटवर्क (USSGNN) द्वारा एक बाइवेरिएट सिमुल-टेनियस पॉल्यूटेंट फोरकास्टिंग अप्रोच और नई दिल्ली, इंडिया के लिए O3 और NO2 के प्रेडिक्शन में इसका एप्लीकेशन। सस्टेनेबल सिटीज़ एंड सोसाइटी, 105741. [पब्लिश्ड, इम्पैक्ट फैक्टर: 10.5] DOI : https://doi.org/10.1016/j.scs.2024.105741 "

13. मिश्रा, चिन्मय , हिमांशु सरमा , और सरवनन एम. "" PageLLM : पेज रैंकिंग और लार्ज लैंग्वेज मॉडल का इस्तेमाल करके सिक्योरिटी नॉलेज ग्राफ को अपडेट करने के लिए इंक्रीमेंटल अप्रोच।"" इन्फॉर्मेशन प्रोसेसिंग एंड मैनेजमेंट 62, नंबर 3 (2025): 104045.
14. शिंदे , निशांत और हिमांशु सरमा . "वर्चुअल रियलिटी के साथ STEM करिकुलम को बेहतर बनाना: इलेक्ट्रिसिटी और मैग्नेटिज्म सिमुलेशन." मल्टीमीडिया टूल्स और एप्लीकेशन (2024): 1-20.

8.2 सम्मेलन कार्यवाहियाँ/प्रस्तुतियाँ

1. ज़मान बशीर, शरण कार्तिक , हरि चंदना पिच्छिका , राजा वर प्रसाद येर्रा, ऋषिकेश वेंकटरमन, पूरव शाह, गियाकोमो नल्ली , रमोना ट्रेस्टियन और इओन-सोरिनकॉम्सा "ट्रैफ़िक अनुकूलन के लिए डिजिटल ट्विन तकनीक का लाभ उठाना: टिकाऊ शहरी परिवहन का मार्ग" 2025 IEEE इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन ब्रॉडबैंड मल्टीमीडिया सिस्टम एंड ब्रॉडकास्टिंग (BMSB) 2025, डबलिन आयरलैंड।
2. हरि चंदना पी, सुबुद्धि पी, दिनेश एन, वर प्रसाद येरा आर. ग्राफ कट्स और डेप्थ फर्स्ट सर्च का इस्तेमाल करके ट्री मैंगो फ्रूट यील्ड एस्टिमेशन पर। 9वीं इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कंप्यूटर विज़न एंड इमेज प्रोसेसिंग (CVIP), IIITDM कांचीपुरम , चेन्नै, भारत में। 2025 (स्वीकृत)।
3. हरि चंदना, पिच्छिका , प्रियंबदा सुबुधि , और राजा वर प्रसाद येरा । UAV-वीडियो में आम के पेड़ों की अलग-अलग किस्मों का ऑटोमेटेड सेगमेंटेशन और काउंटिंग। 6th इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रीसेंट एडवांसमेंट इन इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (RAIT), 2025 IIT (ISM) धनबाद, झारखंड, इंडिया में । (स्वीकार किया गया)।
4. के.एम. बोगा, एच. नंदीवेलुगु , एस.एस.आर. गड्डाला , डी. कंडीमल्ला और आर.वी.पी. येरा , " स्ट्रक्चर्ड मैंगो ऑर्चर्ड्स में पाथ लॉस की मॉडलिंग: IEEE 802.11 स्टैंडर्ड्स के अनुसार एक एम्पिरिकल अप्रोच, " 2024 IEEE-APS टॉपिकल कॉन्फ्रेंस ऑन एंटेना एंड प्रोपेगेशन इन वायरलेस कम्युनिकेशंस (APWC), लिस्बन, पुर्तगाल, 2024, पेज 106-109, doi:10.1109/APWC61918.2024.10701895.
5. पिच्छिका, हरि चंदना , प्रियंबदा सुबुद्धि , सुश्रिता सब्बिनी , पवन कुमार पदार्थी , और राजा वर प्रसाद येरा & quot;थर्मल इमेजिंग से एक इंटीग्रेटेड रंग और टेक्सचर फ़ीचर पर आधारित आम पकने की स्टेज का क्लासिफिकेशन.& quot ;

2024 IEEE इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कंप्यूटर विज़न एंड मशीन इंटेलिजेंस (CVMI) में, पेज 1-6. IEEE, 2024.

6. भावना और व्यंग्य: डीप लर्निंग साथ सोशल मीडिया के ज़रिए खेलों में जेंडर बायस का एनालिसिस; सेतुलक्ष्मी प्रवीण, बालाजी टीके, श्रीजा एसआर, अन्नुश्री बबलानी , ICON, Dec 2024. फॉग-इनेबल्ड स्मार्ट EEG हेल्थकेयर IoT के लिए 3D पैरेटो ऑप्टिमाइज़्ड हेड सिलेक्शन ; श्री साई कौशल एडारा , राम कृष्ण रथ , श्रीजा एसआर और अभिषेक हाजरा , इंडिस्कॉन, अगस्त 2025।
7. रात के समय इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम के लिए मोटरसाइकिल वायलेशन डिटेक्शन; लिकिथ अंदवरपु , भानु प्रदीप कर्री, जगदीश नायक रामावत और श्रीजा एसआर, आईसीईटीसीआई, अगस्त 2025।
8. लोकेन्द्र चौहान , प्रभात कुमार शर्मा, अनामिका सिंह, "इंटरन्यूरॉन सिनैप्टिक इंटरैक्शन के कम्युनिकेशन परफॉर्मेंस पर इनसाइट्स", 2025 नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कम्युनिकेशंस (NCC), 2025।
9. खेरुडकर, रत्नेश , श्रेयांश तिवारी, उदयिनी वेदांतम , निथिश चौटी , बीएम प्रभु प्रसाद, मंजूनाथ के. वनहल्ली , और बीएन पवन कुमार। "ऑटोनॉमस नेविगेशन के लिए पाथ प्लानिंग एल्गोरिदम का इम्प्लीमेंटेशन और कम्पेरिजन।" 2024 IEEE कॉन्फ्रेंस ऑन इंजीनियरिंग इंफॉर्मेटिक्स (ICEI) में, पेज 1-9। IEEE, 2024।
10. संदनमुडी , प्रवीण कुमार, नेहा अग्रवाल, निखिल त्रिपाठी , और पवन कुमार बीएन. "UAV कम्युनिकेशन को सुरक्षित करना: पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफ़िक तकनीकों का तुलनात्मक प्रदर्शन विश्लेषण।" 2025 में 17वें इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कम्युनिकेशन सिस्टम्स एंड नेटवर्क्स (COMSNETS), पेज 1096-1101. IEEE, 2025.
11. बी.एन., पवन कुमार, बी. चेतना , राजू इमंडी , भरतेश चक्रवर्ती , और ज्ञानेंद्र प्रसाद जोशी। ""ऑटोनॉमी को आगे बढ़ाना: सुरक्षित और कुशल सिस्टम के लिए LiDAR-पावर्ड ह्यूमन डिटेक्शन और ट्रैकिंग।"" 2025 में मेक्ट्रोनिक्स, कंट्रोल और रोबोटिक्स (ICMCR) पर तीसरे इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में, पेज 80-84। IEEE, 2025।"
12. सेतुलक्ष्मी प्रवीण, बालाजी टीके , श्रीजा सीनियर , और अनुश्री बबलानी . 2024. सेंटिमेंट और सरकाज़्म: डीप लर्निंग के साथ सोशल मीडिया के ज़रिए स्पोर्ट्स में जेंडर बायस का एनालिसिस। 21वें इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग (ICON) की प्रोसीडिंग्स में, पेज 132-138, AU-KBC रिसर्च सेंटर, चेन्नई, इंडिया। NLP एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया (NLPAI)। दिसंबर 2024

13. बालाजी , टीके, बबलानी , ए., श्रीजा , एसआर, मिश्रा , एच. (2025). SARCOVID: हाइब्रिड ट्रांसफर लर्निंग टेक्नीक का इस्तेमाल करके ट्वीट्स में सरकाज़्म डिटेक्शन के लिए एक फ्रेमवर्क। इन: एंटोनकोपोलोस , ए., चौधरी, एस., चेलप्पा , आर., लियू, सीएल., भट्टाचार्य, एस., पाल, यू. (eds) पैटर्न रिकग्निशन। ICPR 2024. लेक्चर नोट्स इन कंप्यूटर साइंस, वॉल्यूम 15311. स्प्रिंगर, चैम. https://doi.org/10.1007/978-3-031-78195-7_1. दिसंबर 2024
14. हेमंत ए., कोविड , एमएस, विनय, एस., बालाजी , टीके, बबलानी , ए. (2025). डीप लर्निंग टेक्नीक का इस्तेमाल करके ट्वीट डिप्रेशन एनालिसिस। इन: पलैयानाकोट , एस., शकर्स , एस., ओगियर , जेएम., भट्टाचार्य, पी., पाल, यू., भट्टाचार्य, एस. (eds) पैटर्न रिकग्निशन। ICPR 2024 इंटरनेशनल वर्कशॉप और चैलेंज। ICPR 2024. लेक्चर नोट्स इन कंप्यूटर साइंस, वॉल्यूम 15615. स्प्रिंगर, चैम. https://doi.org/10.1007/978-3-031-87660-8_8. अप्रैल 2025"
15. गात्रम श्रवण कुमार, कमलाकांता सेठी , और पीयूष जोशी, "DCT, GrabCut और क्वांटाइजेशन का इस्तेमाल करके रोबस्ट इमेज स्टेग्नोग्राफ़ी। इन: गिरी , डी., इस्लाम, SKH, वासिलाकोस , AV, खान, MK (eds) प्रोसीडिंग्स ऑफ़ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन नेटवर्क सिक्योरिटी एंड ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी। ICNSBT 2024. लेक्चर नोट्स इन नेटवर्क्स एंड सिस्टम, वॉल्यूम 1158. स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-8051-8_6
16. गात्रम श्रवण कुमार, कमलाकांता सेठी , और पीयूष जोशी, "क्वांटाइजेशन के साथ इंटीग्रेशन में CNNs का इस्तेमाल करके अटेंशन बेस्ड इमेज स्टेग्नोग्राफ़ी।" साइबर सिक्योरिटी, सिचुएशनल अवेयरनेस और सोशल मीडिया पर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस की प्रोसीडिंग्स: साइबर साइंस 2024; 27-28 जून; एडिनबर्ग नेपियर यूनिवर्सिटी, स्कॉटलैंड
17. गात्रम श्रवण कुमार, कमलाकांता सेठी , पीयूष जोशी, और पद्मलोचन बेरा ""रॉबस्ट इमेज स्टेग्नोग्राफ़ी: सिक्योर डेटा एम्बेडिंग के लिए एक SLIC और QWT-बेस्ड अप्रोच”। इन: मेसनेगर , एस., स्टैनिक , पी., देबनाथ , एस.के. (eds) सिक्योरिटी और प्राइवेसी। ICSP 2024. कम्युनिकेशंस इन कंप्यूटर एंड इन्फॉर्मेशन साइंस, वॉल्यूम 2489. स्प्रिंगर, चैम. https://doi.org/10.1007/978-3-031-90587-2_9
18. एम. स्वैन, सी.एल. निशिता , एम. मगंती , कमलाकांता सेठी और एन. त्रिपाठी , " MQTT- IoT नेटवर्क में असरदार घुसपैठ का पता लगाने के लिए बेनफोर्ड के नियम का फ़ायदा उठाना ," 2025 17वीं इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कम्युनिकेशन सिस्टम्स एंड नेटवर्क्स (COMSNETS), बेंगलुरु, इंडिया, 2025, पेज 348-355, doi : 10.1109/COMSNETS63942.2025.10885615.

19.कुमारी ए., करनम एस., अन्नाबथिनी एस., सेठी , के. (2025). स्मार्ट ग्रिड एप्लीकेशन के लिए पेयरिंग फ्री एट्रिब्यूट-बेस्ड एन्क्रिप्शन का डिज़ाइन। इन: जाटुन , एमजी, एट अल. साइबर सिक्योरिटी, सिचुएशनल अवेयरनेस और सोशल मीडिया पर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस की प्रोसीडिंग्स। साइबर साइंस 2024 2024. स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन कॉम्प्लेक्सिटी। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-96-0401-2_5
20.मंडल, एस., दास, के., ठाकुर, एम., पद्मनाभन , एम. और हाजरा , जे. (2024, जुलाई). अलग-अलग अंदरूनी पानी वाली जगहों में घुले हुए ऑर्गेनिक कार्बन का अनुमान: मशीन लर्निंग और रिमोट सेंसिंग का इस्तेमाल। IEEE इंटरनेशनल जियोसाइंस और रिमोट सेंसिंग सिंपोजियम में।
21.इमरान एस., मंडल एस., गोस्वामी , ए., ठाकुर एम., और राजू ए. (2024, जुलाई). एक नया डीप लर्निंग-बेस्ड लैंडसैट 7 ETM+ मल्टी-स्पेक्ट्रल से हाइपरस्पेक्ट्रल रिकंस्ट्रक्शन मॉडल: भारतीय क्षेत्र में वॉटर बॉडीज़ के लिए एप्लीकेशन। IGARSS 2024-2024 IEEE इंटरनेशनल जियोसाइंस एंड रिमोट सेंसिंग सिम्पोजियम (पेज 3121-3124) में। IEEE.
22.मंडल एस., कोमिरेड्डी पी., कंचारला , एन.ए. ठाकुर, एम., दास के., और जलागम पी.आर. (2024, दिसंबर)। मशीन लर्निंग और रिमोट सेंसिंग डेटा का इस्तेमाल करके टोटल सस्पेंडेड सॉलिड्स मॉडलिंग को आगे बढ़ाना। AGU फॉल मीटिंग एब्सट्रैक्टस में (वॉल्यूम 2024, पेज H23R-08)।
23.मंडल एस., बालमुरुगन वी., दतला एम.वी, ठाकुर एम., चेन जे और रॉय ए. (2024, दिसंबर). सैटेलाइट से मिले AOD डेटा का इस्तेमाल करके शहरी इलाकों में PM2.5 का अनुमान बढ़ाना: मशीन लर्निंग मॉडल के साथ MODIS और VIIRS प्रोडक्ट्स का तुलनात्मक विश्लेषण। AGU फॉल मीटिंग एब्स्ट्रैक्ट्स में (वॉल्यूम 2024, नंबर 1792, पेज A21F-1792)।
24.मंडल एस., ठाकुर एम., बालामुरुगन वी., चेन जे., और रॉय ए. (2025). PM2. 5, PM10, O3 और NO2 के स्पेशल एस्टिमेशन के लिए एक डीप-पॉल्यूटेंट-स्पेशियल-ऑपरेटर-नेटवर्क (DPSON), दिल्ली, इंडिया में केस स्टडी (नं. EGU25-20076). कोपरनिकस मीटिंग्स."
25.बट्टुला, जोशित , वेंकट अशोक जिलेलामुडी , चैतन्य कृष्ण सम्मेता , और संतोष अमिलपुर । "ग्राफ कन्वोल्यूशनल नेटवर्क के साथ कैंसर जीनोमिक्स की खोज: इंटीग्रेटेड ग्रेडिएंट्स और SHAP के साथ एक तुलनात्मक एक्सप्लेनेबिलिटी स्टडी।" BIO वेब ऑफ कॉन्फ्रेंस में, वॉल्यूम 163, पेज 01003। EDP साइंसेज, 2025।

26. एसआर कृष्णा एम, वी. साई सुवंत , एसए के और एच. सरमा , "वीआर टीचिंग पर एक केस स्टडी: प्रोजेक्टाइल मोशन और ग्रेविटी," 2024 IEEE इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन मिक्स्ड एंड ऑगमेंटेड रियलिटी एडजंक्ट (ISMAR-एडजंक्ट), बेलेव्यू, WA, USA, 2024, पेज 329-330, doi : 10.1109/ISMAR-Adjunct64951.2024.00075. (A∗)

27. वी. प्रजापति ए.सी. तुर्लापती, एच. सरमा और एम. घोराई, "सरफेस ईएमजी सिग्नल का उपयोग करके एफपीएस गेम प्लेयर्स में मांसपेशियों की गतिविधि और माउस संवेदनशीलता को जोड़ना," 2024 5वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन बायोमेडिकल इंजीनियरिंग (आईबीआईओएमईडी), बाली, इंडोनेशिया, 2024, पृष्ठ 163-168, doi : 10.1109/iBioMed62485.2024.10875806."

8.3 चालू प्रायोजित परियोजनाएँ **(2022-23)**

1. डॉ. पीवी अरुण, एसईआरबी - सीआरजी, संरक्षित क्षेत्र निगरानी और भूस्खलन संवेदनशीलता मानचित्रण के लिए एक सामान्य स्थानिक डेटा वेयरहाउसिंग ढांचे और चित्रण का विकास, रु . 23,00,000, जनवरी-2023।
2. डॉ. पीवी अरुण , इसरो, Ch-2 डेटा का उपयोग करके चंद्र सतह के भूवैज्ञानिक मानचित्रण के लिए उन्नत मशीन लर्निंग दृष्टिकोण, रु . 20,00,000, नवंबर-2023।
3. डॉ. पीवी अरुण , इसरो, मल्टीमॉडल डेटा फ़्यूज़न के लिए एडवांस्ड मशीन लर्निंग अप्रोच, 25,00,000 रुपये , मार्च-2023।
4. डॉ. राजा वर प्रसाद डॉ. बालाजी रमन और डॉ. दिव्यब्रह्मम कंडीमल्ला डीएसटी-एनएमआ ईसीपीएस-टीआईएच आईआईटी हैदराबाद - “एडवांस्ड एरियल मैपिंग (एएएम) राइडर: यूएवी का उपयोग करके आम के खेतों के लिए उपज का पता लगाने वाली प्रणाली”रु.49,96,1003 जुलाई 2021 से 2 जुलाई 2024
5. डॉ बालाजी रामन, डॉ. पीयूष जोशी, DST-NMICPS-TIH IIT हैदराबाद रियल-टाइम ट्रैफ़िक फ़्लो प्रेडिक्शन और कंट्रोल के लिए एनर्जी-एफ़िशिएंट स्मार्ट EDGE डिवाइस का डिज़ाइन, डेवलपमेंट और डिप्लॉयमेंट, 40,00,002 रुपये , 23 जुलाई 2021-22 जुलाई 2024
6. डॉ बालाजी रामन, डॉ. नेहा अग्रवाल डीएसटी-एनएमआईसीपीएस-टीआईएच आईआईटी कानपुर- “सुरक्षित ड्रोन: यूएवी में क्रिप्टोग्राफिक मॉड्यूल का विश्लेषण, तैनाती और निर्णय करेंरु.37,00,480नवंबर-21 से नवंबर-24
7. डॉ. हृषिकेश वेंकटरामन , डॉ. मृण्मय घोराई , MoES - डीप वॉटर ऑटोनॉमस अंडरवाटर व्हीकल (AUV) के लिए सोनार + विज़न बेस्ड इंटेलिजेंट मैकेनिज्म, Rs 49,24,000 अक्टूबर- 2023 से सितंबर 2025 तक

8. डॉ. हृषिकेश वेंकटरमन स्पार्क- मंत्रालय डिजिट - एकीकृत परिवहन प्लेटफॉर्म का डिजिटल ट्विन मॉडलिंग 54,48,000 रुपये, अप्रैल-2024 से मार्च-2026
9. डॉ. हृषिकेश वेंकटरमन स्पार्क- मंत्रालय डिजिट - एकीकृत परिवहन प्लेटफॉर्म का डिजिटल ट्विन मॉडलिंग 54,48,000 रुपये, अप्रैल-2024 से मार्च-2026
10. डॉ. प्रियंका द्विवेदी इसरो मेमरिस्टर स्विचिंग मेमोरी टेक्नोलॉजी का विकास 28,43,994 रुपये जनवरी-2025 से जनवरी-2027
11. डॉ हिमांशु सरमा,डॉ. अचिंत्य सरकार आई -हब आईआईआईटी हैदराबाद भाषण और श्रवण विकार के लिए एक संचार प्रणाली का डिजाइन और विकास रु.3,21,178 फरवरी-2025 से फरवरी-2027
12. डॉ हिमांशु सरमा आईआईईटीटीएनआईएफ , आईआईटी तिरुपति तिरुमाला दर्शन के लिए एक एआर प्लेटफॉर्म का निर्माण और विकास करना रु.13,80,860मार्च-2025 से सितंबर-2026

8.4 पेटेंट फाइलिंग

1. IN 202441058807 II शीर्षक: "यूएवी का उपयोग करके आम और इसी तरह के बागवानी फार्मों के लिए उपज अनुमान प्रणाली" II हमारा संदर्भ: PTIN/0024967 II आवेदक: डॉ. राजा वर प्रसाद, डॉ. प्रियंबदा सुबुधि
2. पेटेंट एप्लीकेशन नंबर: 202441026733 तारीख 31/03/2024 आविष्कार का टाइटल: एक सेल्फ-बैलेंसिंग टू-व्हीलर व्हीकल/सेगवे एप्लीकेंट: ऋषिकेश वेंकटरमन , भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान
3. पेटेंट एप्लीकेशन नंबर: IN 202441058808 आविष्कार का टाइटल- वायरलेस सेंसर नेटवर्क के लिए स्ट्रक्चर्ड फलों के बागों में पाथ लॉस मेज़रमेंट का एक बेहतर तरीका और सिस्टम" एप्लीकेंट डॉ. राजा वर प्रसाद, डॉ. कंडीमल्ला दिव्यब्रह्मम , भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

9. नवाचार और उद्यमिता विकास

नवाचार और उद्यमिता विकास पर ध्यान केंद्रित करना: आईआईआईटी श्री सिटी इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप के कल्चर को बढ़ावा देता है ताकि फैकल्टी और स्टूडेंट्स को अपनी काबिलियत का पूरा इस्तेमाल करने और कम्युनिटी की ज़रूरतों को पूरा करने में मदद मिल सके। हम कई तरीकों से एंटरप्रेन्योरशिप और इनोवेशन को बढ़ावा देते हैं। आईआईआईटी श्री सिटी को शिक्षा मंत्रालय नवाचार सेल ने संस्थान नवाचार परिषद के तौर पर काम करने के लिए चुना है। इसके अलावा, आईआईआईटी श्री सिटी ने छात्रों को नए विचार बनाने और

उन्हें बिज़नेस के मौकों में बदलने में मदद करने और काबिल बनाने के लिए एक उद्यमिता सेल (E-cell) बनाया है। E-cell छात्रों को सामाजिक ज़िम्मेदारी के साथ सफल उद्यमी बनने का प्रशिक्षण देता है।

उद्यमिता की भावना को ध्यान में रखते हुए, 2020 में, हमने अपना TBI, ज्ञान सर्किल वेंचर्स (कानूनी एंटिटी IIITS में नवाचार और उद्यमिता विकास केंद्र (CIED) है, जो एक स्वतंत्र अनुभाग 8 गैर-लाभकारी संगठन है) शुरू किया। बिज़नेस इनक्यूबेटर इस क्षेत्र में में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की रणनीति के गुणों में से एक है, जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग जैसे कई क्षेत्र शामिल हैं, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं हैं। हमारा पूरा विश्वास है कि ज्ञान सर्किल वेंचर्स इनोवेशन और स्टार्टअप्स के लिए एक हब के तौर पर काम करेगा, जिससे नई प्रौद्योगिकी और व्यापार के मौके विकसित होंगे और साथ ही इस क्षेत्र में आर्थिक और सामाजिक विकास भी होगा।

मशहूर आईआईआईटी श्री सिटी से जुड़े इस इनक्यूबेटर का मुख्य लक्ष्य, अपनी इंटेलेक्चुअल कैपिटल का इस्तेमाल करके संस्थान मेंउद्यमिता की भावना को बढ़ावा देना है। फिलहाल, आईआईआईटी श्री सिटी के निदेशक डॉ. जी. कण्णबिरान और आईआईआईटी श्री सिटी के बोर्ड आफ गवर्नर्स के अध्यक्ष श्री एम. बालासुब्रमण्यम इसके निदेशक के रूप में कार्य संभाल रहे हैं।

आईआईआईटी श्री सिटी में मौजूद ज्ञान सर्किल वेंचर्स इनक्यूबेटीज़ और स्टार्टअप्स को महत्वपूर्ण सुविधाएँ देता है। GCV के इनक्यूबेटीज़ को निम्नलिखित सुविधाएँ प्राप्त हैं:

- आधुनिक कार्यस्थल
- संचार सुविधाएं
- कंप्यूटिंग सुविधाएं
- उपकरण प्रयोगशालाएँ
- पुस्तकालय एवं सूचना केंद्र
- प्रशिक्षण और सम्मेलन सुविधाएँ

इसके अलावा, इनक्यूबेटी शिक्षा और उद्योग दोनों से मार्गदर्शक की निपुणता का लाभ उठा सकते हैं। एक TBI में इनक्यूबेटी होने के और भी फ़ायदे हैं, जो इस प्रतिष्ठित व उच्च स्तरीय गुणतापूर्ण तकनीकी संस्थान का एक अंग है। स्टार्टअप्स को मानवशक्ति की ज़रूरत

होती है और उनके पास आईआईआईटी श्री सिटी से इंटर्न या पूर्णकालिक कर्मचारी के रूप में शानदार युवा लोगों को हायर करने का मौका है।

ज्ञान सर्किल वेंचर्स के टेक्नोलॉजी इनक्यूबेशन एंड डेवलपमेंट ऑफ़ एंटरप्रेन्योर्स (TIDE 2.0) इनक्यूबेशन सेंटर के तौर पर काम करने के प्रस्ताव को सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeiTy) ने मंज़ूरी दे दी है। उन्होंने GCV को ग्रुप 2 सेंटर के तौर पर चुना है और उसे निधि दे रहे हैं।

MeiTy ने TIDE 2.0 की शुरुआत की थी। इसका लक्ष्य टेक एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देना था। इसके लिए इनक्यूबेटर्स को वित्तीय और तकनीकी रूप में सहयोग किया गया, ताकि वे समाज के लिए ज़रूरी पहले से तय क्षेत्र में IoT, AI, ब्लॉक-चेन, रोबोटिक्स वगैरह जैसी नई तकनीकियों का प्रयोग कर सकें।

ज्ञान सर्किल वेंचर्स का TIDE 2.0 सेंटर, इन दो कार्यक्रमों के ज़रिए अलग-अलग चरण में, इनोवेटर्स और स्टार्टअप्स को सहयोग करेगा।

उद्यमी-इन-रेजिडेंस (ईआईआर) कार्यक्रम

- एंटरप्रेन्योर्स-इन-रेजिडेंस (ईआईआर) एक व्यक्ति/छात्र/स्टार्ट-अप हो सकता है जो अपने विचार को प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट (पीओसी) में विकसित और मान्य करने के लिए तैयार है।
- वे GCV इनक्यूबेटर स्पेस से काम करेंगे
- जीसीवी टीबीआई, पीओसी के विचार विकास, सत्यापन और उसके बाद के विकास का समर्थन करेगा।

हर EiR को ज़्यादा से ज़्यादा 4 लाख रुपये तक की ग्रांट दी जाएगी।

अनुदान कार्यक्रम

- पक्के प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट वाले नए स्टार्ट-अप को अनुदान के लिए योग्य माना जा सकता है। यह अनुदान एक मिनिमम वायबल उत्पाद बनाने और स्टार्ट-अप को गो-टू-मार्केट स्टेज तक आगे बढ़ाने के लिए दिया जाता है।

हर स्टार्ट-अप को ग्रांट के तौर पर ज़्यादा से ज़्यादा 7 लाख रुपये दिए जा सकते हैं।

- GCV TBI पूरे प्रोग्राम के दौरान मेंटरशिप और गाइडेंस देगा।

अपने पहले कोहोर्ट के एक अंश के रूप में जीसीवी ने वित्तीय वर्ष 2020-21 में 9 स्टार्टअप्स (8 ग्रांट्स और 1 EiR) को चुना और फंड किया। स्टार्टअप्स का विवरण इस प्रकार है -

क्र.सं.	स्टार्टअप/ कंपनी	प्रमुख नवप्रवर्तक/सीईओ	नवाचार का संक्षिप्त विवरण	प्रौद्योगिकियाँ	अनुप्रयोग क्षेत्र
1	रीकिंडल ऑटोमेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नै	राधाकृष्णन ज्योतिराम	इंट्रावीनस फ्लूइड की सेंट्रलाइज़्ड मॉनिटरिंग और ऑटोमैटिक स्टॉपिंग के लिए स्मार्ट इंट्रावीनस ड्रिपर सिस्टम	ए.आई.	स्वास्थ्य देखभाल
2	हिवरिक्स टेक्नोलॉजीज, चेन्नै	हेमलता आर	Li-Ion बैटरी डिवाइस के लिए स्मार्ट ग्रीन चार्जिंग सॉल्यूशन की अगली पीढ़ी	आईओटी	स्मार्ट चार्जिंग
3	एक्वा सॉल्यूशंस, कृष्णा	जोगी साई प्रसन्ना	एक्वा फार्म की फीडिंग और निगरानी के लिए एक्वाकल्चर स्मार्ट मॉनिटरिंग सिस्टम	आईओटी	एक्वाकल्चर
4	एलएसपीओटी प्रीवेनटेक , ईरोड	सुनील विघ्नेश	इंसानी पोस्चर को बनाए रखना और इंटेलिजेंट वियरेबल डिवाइस का रखरखाव	एमएल	निवारक स्वास्थ्य सेवा
5	मेडक्यूर मेडिकल सॉल्यूशंस, चेन्नै	पॉल प्रदीप जे	हाइब्रिड ग्रीन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके इनडोर एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग और प्यूरिफाइंग सिस्टम	आईओटी	पर्यावरण
6	नंदा इन्फोटेक , कोयंबत्तूर	विघ्नेश्वरन टी	समझ लूटो - उन्नत मृदा निगरानी और फसल	आईओटी	कृषि

			प्रबंधन प्रणाली		
7	मेलन ए.आई. प्राइवेट लिमिटेड	डॉ मसूद इकराम	कैपेमो ; आर्टिफिशियल इंटेलिजेंट कैमरा	ए.आई.	खुदरा
8	इक्विज़ोन मेडिटेक प्राइवेट लिमिटेड	राजनंदिनी . बी	रिमोट मॉनिटरिंग के साथ नेगेटिव प्रेशर वुंड थेरेपी	आईओटी	स्वास्थ्य देखभाल
9	हाइड्रोट्राइब प्राइवेट लिमिटेड	तरुण के करणम	घर पर ऑर्गेनिक सब्जियां उगाने के लिए स्वचालित और स्व-स्थायी एरोपोनिक टावर	आईओटी	हीड्रोपोनिक्स

मेडक्यूओर मेडिकल सॉल्यूशंस, रीकिंडल ऑटोमेशन्स और नंधा इन्फोटेक को MeitY द्वारा TIDE 2.0 योजना के तहत 35 लाख रुपये के निवेश स्केल-अप के लिए भी चुना गया है ।

अपने दूसरे कोहोर्ट के अंश के रूप में , जीसीवी ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान 9 स्टार्टअप्स (7 अनुदान और 2 EiR) को चुना और फंड किया। स्टार्टअप्स का विवरण इस प्रकार है:

क्रम सं.	नाम	संगठन	प्रौद्योगिकियाँ	क्षेत्र
1	मेघवरुमन पी	मैग्रोनिक कॉन्ट्रिवेंस प्राइवेट लिमिटेड	IoT / रोबोटिक्स	कृषि
2	शिव नागराजू	फार्मएक्स इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड	आईओटी	कृषि
3	वर्षा मोहन	प्रिस्टिन ऑटोमेशन्स प्राइवेट लिमिटेड	एमएल और आईओटी	ऊर्जा क्षेत्र

4	विष्णु प्रिया	क्रतु साइंटिफिक सॉल्यूशंस एलएलपी	एमईएमएस	स्वास्थ्य देखभाल
5	आकांक्षी वैश्य	वर्किफाई	AI/ML, रोबोटिक्स	पर्यावरण
6	पद्मनाभन के	पवन एम्पावर सॉल्यूशंस	आईओटी	पहनने योग्य उपकरण
7	अभिषेक कौशल	रेडिएट हेल्थकेयर इनोवेशंस प्राइवेट लिमिटेड	एआई और आईओटी	स्वास्थ्य देखभाल
8	राजा सुरेश	एकलव्य इनोवेटिव सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड	आईओटी	विज्ञापन
9	मंजू भार्गवी	एलिक्सिर सेंसएआई	एआई और आईओटी	स्वास्थ्य देखभाल

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 13 स्टार्टअप्स (2 अनुदान & 11 EiR) को चुना और फंड किया। स्टार्टअप्स का विवरण इस प्रकार है :

क्रम सं.	**EiR का नाम**	**विषय**
1	डॉ पी.वी. अरुण	सोलर AI-ऑटोमैटिक वेरिफिकेशन
2	श्रीमती पी. श्रीहर्षिता	स्मार्ट कार पूलिंग
3	श्री सुदर्शन वाई	स्वास्थ्य सेवा के लिए एआई
4	श्री बालाजी टी.के.	मल्टीमीम - एक मल्टी मॉडल मीम पहचानकर्ता
5	खादर ज़ाहिद उमर	IoT- आधारित सेल्फ बैलेंसिंग टू-व्हीलर/ सेगवे
6	रंगाचारी कोम्मांडुरी	AI-पावर्ड से कैंपस सेफ्टी में बदलाव विसंगति पहचान समाधान

7	भीमप्पा एच	ट्रैकसीट्री : कार्बन क्रेडिट और के लिए ढांचा वहनीयता
8	वायुमित्र (अनुदान)	पवन ऊर्जा परामर्श
9	केयरऑप्स सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (अनुदान)	हर मरीज़ के लिए सटीक डायबिटीज़ देखभाल
10	डॉ मल्लिकार्जुन / डॉ अन्नुश्री	विचार-से-बाज़ार परिवर्तन के लिए एक मंच (I2M)
11	डॉ दिव्यब्रह्मण के/साई लिखित	वर्चुअल इलेक्ट्रो-मैग्नेटिक लैब
12	डॉ राजा वर प्रसाद	पानी और ऊर्जा प्रीपेड मीटरिंग और प्रबंधन के लिए IoT फ्रेमवर्क
13	डॉ हिमांशु शर्मा	मिश्रित वास्तविकता (एमआर) प्लेटफ़ॉर्म स्वास्थ्य सेवा और फिटनेस के लिए